तापमान
अधिकतम 24.8 डिग्री
न्यूनतम 5.2 डिग्री

हरिभूमि
रोहतक भूमि

रोहतक, रविवार, 21 दिसंबर 2025

10 एचडी स्कूल खेड़ी महम में छात्रों को समझाया...

12 विद्यार्थियों के चेहरों से गायब हो रही खुशी, मायूस...

SANSKARAM GROUP OF SCHOOLS

THE TIMES OF INDIA
Awarded with Times School Survey award 2025-26

Presents

10th ALL INDIA OLYMPIAD

Sanskaram Olympiad Applicable for 3rd to 10th

Visionary Vertex Applicable for Nur. to 2nd

Time 10 AM to 12 PM

Registration Fee 100/-

VENUE : Sanskaram Public School, Khatiwas
Sanskaram International School, Pataura

Class	1st Prize	2nd Prize	3rd Prize	4th to 30th Prize	30th to 40th Prize
10th Class	Scooty	Laptop	Kindle	Sports Kit	Edu. Kits/ Gifts
9th Class	Laptop	Kindle	Kindle	Sports Kit	Edu. Kits/ Gifts
8th Class	Laptop	Kindle	Cycle	Sports Kit	Edu. Kits/ Gifts
7th Class	Laptop	Kindle	Cycle	Sports Kit	Edu. Kits/ Gifts
6th Class	Laptop	Kindle	Cycle	Sports Kit	Edu. Kits/ Gifts
5th Class	Kindle	Cycle	Cycle	Sports Kit	Edu. Kits/ Gifts
4th Class	Kindle	Cycle	Cycle	Sports Kit	Edu. Kits/ Gifts
3rd Class	Kindle	Cycle	Cycle	Sports Kit	Edu. Kits/ Gifts

EXAM DATE 28th DECEMBER 2025

FREE TRANSPORT

Class	Subject (Equal Weightage to All subjects)	Marks	Duration
3rd to 5th Class	English\Maths\GK\EVS	60	60 Min.
6th & 8th Class	English\Maths\Science\ Aptitude Test	60	60 Min.
9th & 10th Class	Science (Physics,Chemistry, Bio)\Math	80	60 Min.

Visionary Vertex

Whirling With Young **Talent** And **Creativity**

COMPETITION DETAILS

NURSERY	Poem Recitation (in Hindi or Eng.) with proper gestures.
L.K.G	Story Telling (in Hindi or Eng.) with proper gestures.
U.K.G	Art & Craft Test and Hindi English Word Making
1st & 2nd	Written Test in English, E.V.S., Maths, G.K., and Reasoning.

SCAN FOR REGISTRATION

For Online Registration Visit www.sanskarampublicschool.com | www.sanskaraminternational.com

NDA Qualifiers

CHIRAG S/o RAMBIR CHIMNI
LEKHDEEP S/o HARDEEP REWARI KHERA
DAIVIK S/o YOGESH JHAJJAR
RAHUL S/o JITENDER BERI
LAKSHAY S/o AJAY SILANA
RAKSHIT S/o VIKASH JHAJJAR
YASH S/o JAGBIR BERI
SAKSHI D/o NAVEEN BARHANA
MUSKAN D/o GOVIND KOELPUR
PARIKSHIT S/o SHIV JHAJJAR

Separate Hostel Facilities for Boys and Girls

AMAN S/o JAI SINGH BIROHAR
JIVESH S/o SONU BHAPRODA
DINESH S/o SANJAY BHAPRODA
SHUBHAM S/o MANOJ MANGAWAS
SAHIL S/o SANDEEP SIWANA
AKSHAY S/o RAMAVTAR JHAJJAR
SAHIL S/o VIJAY BAHADURGARH
JAIKUMAR S/o PAWAN MAROUT
ANUJ S/o VIKASH JHAJJAR
SHUBHAM S/o RANBIR KHERI KHUMMAR

CA-CS Foundation Qualifiers

Priya D/o Sunil Jhajjar
Nisha D/o Surender Matainhail
Harsh S/o Sombeer Achhej
Jiya D/o Iqbal Madana
Yashika D/o Rajiv Jhajjar
Ishika D/o Mahipal Palra
Ankita D/o Akhilesh Jhajjar

CLAT Qualifiers

Alka D/o Jaiveer Majra D.
Mansi D/o Rajeev Matanhail
Ritika D/o Satyapal Jhinjhar

India's Most Trusted School for Integrated Classroom Programme for Selection in IIT-JEE, NEET, NDA, MNS, SSC,CUET,CLAT, CA, CS, ICMAI

JHAJJAR CAMPUS : 8222889860,62
NH.334B, Main Dadri Road, Khatiwas, Jhajjar (Haryana)

PATAUDA CAMPUS : 9053007801,02
NH.352, Pataura, Near Kulana, Jhajjar (Haryana)

खबर संक्षेप

रक्तदान शिविर का आयोजन किया

रोहतक। अंबेडकर चौक पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर की अध्यक्षता राष्ट्र देवो भवः मिशन के संस्थापक संत बाबा सुखा शाह ने की। रक्त दान शिविर समाजसेवी चिराग गोम्बर के सुपुत्र वाहिन गोम्बर के जन्मदिन के उपलक्ष्य में राष्ट्र देवो भव मिशिन संस्था द्वारा आयोजित किया गया। जिसमे सबसे पहले चिराग गोम्बर ने 25वी वार रक्त दान किया। राष्ट्र देवो भवः मिशन के सभी सदस्यों ने मुख्य अतिथि चिराग गोम्बर का फूल मालाओं से स्वागत किया और उनके जन्मदिवस पर बधाई दी।

प्रवेश ने साइकिलिंग में किया हरियाणा का नाम रोशन

रोहतक। जिले के गांव खरहर निवासी प्रवेश ने राष्ट्रीय स्तर की साइकिलिंग प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान हासिल कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। प्रवेश ने नेशनल साइकिल गेम्स 10 किलोमीटर (पुरुष वर्ग) प्रतियोगिता में देशभर से आए खिलाड़ियों को पीछे छोड़ते हुए स्वर्णिम सफलता प्राप्त की। यह प्रतिष्ठित राष्ट्रीय प्रतियोगिता 15 से 20 दिसंबर तक झारखंड के बोकारो में आयोजित की गई थी।

सांघी में एनएसएस शिविर का पांचवां दिन

रोहतक। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सांघी (रोहतक) में चल रहे सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) शिविर के पांचवें दिन का आयोजन आज उत्साह, जागरूकता एवं रचनात्मक गतिविधियों के साथ सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ एनएसएस के लक्ष्य गीत के साथ किया गया, स्वयंसेवकों में सेवा व राष्ट्रभक्ति की भावना का संचार हुआ।

समस्याएं दूर करने में वर्तमान सरकार नाकाम

रोहतक। हरियाणा उधोग व्यापार हित मण्डल के प्रदेश अध्यक्ष अनिल भाटिया ने रोहतक से हरियाणा सरकार की परिवेदना समिति के पूर्व सदस्य ललित मोहन सैनी को प्रदेश प्रवक्ता की जिम्मेदारी दी। वे शनिवार को कैनाल रेस्ट हाउस के नजदीक एक स्थानीय होटल में प्रेसवार्ता को संबोधित कर रहे थे। अनिल भाटिया ने कहा कि रोहतक नगर निगम में भ्रष्टाचार चरम सीमा पर है। भाजपा को व्यापारियों की हितैषी सरकार बताया जाता है, लेकिन आज देश व प्रदेश का व्यापारी इस सरकार में डर के साये में जीने का मजबूर है।

निगम टीम ने दुकानदारों व लोगों को अपने आसपास सफाई रखने के लिए किया प्रेरित

गांधी कैंप मार्केट में चलाया स्वच्छता जागरूकता अभियान

नियम तोड़ने पर पांच हजार रुपये का जुर्माना

मुख्य सफाई निरीक्षक सुधीर कुमार ने कहा कि शहर को स्वच्छ और स्वस्थ बनाए रखने में जनभागीदारी की अहम भूमिका है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

नगर निगम एवं अखण्ड हरिधाम के संयुक्त तत्वावधान में शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने के उद्देश्य से स्वच्छता जागरूकता अभियान लगातार चलाया जा रहा है। जिसमें शनिवार को गांधी कैंप मार्केट क्षेत्र में स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य सफाई निरीक्षक सुधीर कुमार ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने वहां उपस्थित नागरिकों, दुकानदारों और राहगीरों को स्वच्छता बनाए रखने का संदेश दिया और स्वयं सफाई अभियान में भी भाग लिया।

स्वच्छता अभियान के अंतर्गत गांधी कैंप मार्केट के दुकानदारों और आम नागरिकों को अपने आसपास साफ-सफाई रखने, कूड़ा निर्धारित स्थान पर डालने तथा सार्वजनिक स्थानों को गंदा न करने के लिए प्रेरित किया गया। नगर निगम की टीम ने बाजार क्षेत्र में घूमकर लोगों को स्वच्छता के महत्व के बारे में जागरूक किया और स्वच्छ आदतें अपनाने का आह्वान किया। अभियान के दौरान बाजार क्षेत्र में सफाई कर स्वच्छता का संदेश भी दिया गया। मुख्य सफाई निरीक्षक सुधीर कुमार ने कहा कि शहर को स्वच्छ और स्वस्थ बनाए रखने में जनभागीदारी की अहम भूमिका है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे केवल नगर निगम पर निर्भर न रहें, बल्कि स्वयं भी स्वच्छता गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी करें। उन्होंने कहा कि यदि प्रत्येक नागरिक अपने घर, दुकान और आसपास के क्षेत्र को साफ रखे, तो शहर को स्वच्छ बनाने का लक्ष्य आसानी से हासिल किया जा सकता है।

रोहतक। चालान देते नगर निगम की टीम।

यह बोले निगम आयुक्त डॉ. आनंद

नगर निगम आयुक्त डॉ. आनंद कुमार शर्मा ने बताया कि नगर निगम द्वारा स्वच्छता अभियान के साथ-साथ नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई भी की जा रही है। उन्होंने बताया कि कूड़े में आग लगाने की शिकायतों पर निगम की टीम ने तुरंत संज्ञान लेते हुए सख्त कार्रवाई की है। नियमों का उल्लंघन करने वाले एक व्यक्ति का चालान कर 5,000 रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

जागरूकता और सख्ती दोनों जरूरी

स्वच्छ शहर निर्माण के लिए जागरूकता और सख्ती दोनों जरूरी हैं। एक ओर नागरिकों को स्वच्छता के नियमों का पालन करने के लिए निरंतर जागरूक किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर नियमों की अवहेलना करने वालों पर कार्रवाई कर अनुशासन सुनिश्चित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नगर निगम रोहतक स्वच्छता को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए शहर को साफ, सुंदर और स्वस्थ बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इसी उद्देश्य से स्वच्छता अभियान और सख्त कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रहेगी।

रोहतक। जागरूकता अभियान के तहत सफाई कर्मचारियों को सम्मानित करते हुए।

एचडी स्कूल खेड़ी महम में छात्रों को समझाया भाषण कला का महत्व

महम। भाषण प्रतियोगिता के विजेताओं को प्रमाण पत्र प्रदान करते हुए शिक्षक।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महम

एचडी सीनियर सेकेंडरी पब्लिक स्कूल खेड़ी महम में विद्यार्थियों की भाषण कला एवं हिंदी भाषा के प्रति रुचि बढ़ाने के उद्देश्य से हिंदी भाषण प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कक्षा तीसरी से 11वीं तक के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यार्थियों ने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत, अनुशासन ,पर्यावरण संरक्षण, डिजिटल भारत, भारतीय संस्कृति, समय का सदुपयोग, परोपकार जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रभावशाली भाषण प्रस्तुत किए। कार्यक्रम के अंत में विजेता विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस प्रतियोगिता में लविश, अवनी, अराध्या,धानवी, दीपांशी, वर्णिका, प्रगति,तनवी व पायल ने अपनी अपनी कक्षा में प्रथम स्थान अर्जित किया। प्राचार्या शालिनी गुप्ता ने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में सहायक होती हैं तथा हिंदी भाषा के प्रति प्रेम जागृत करती हैं। स्कूल उपप्राचार्या इंदु नहरा ने बताया कि कक्षा पहली से दूसरी के बच्चों के लिए सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें बच्चों ने बड़े हर्षोल्लास से भाग लिया।

सुभाष नगर में 34 वर्ष पुराना गुरुद्वारा-मन्दिर विवाद सुलझा

रोहतक। सुभाष नगर में पिछले 34 वर्ष से गुरुद्वारा सभा व शिव मंदिर में निर्माण को लेकर विवाद चल रहा था। जिसे सुलझाने के लिए कई बार प्रयास किया गया लेकिन आपसी विश्वास ना होने की वजह से विवाद गहराता चला गया। कई बार टकराव की स्थिति भी बनी। पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर के मार्गदर्शन में जिला कष्ट निवारण समिति सदस्य व पार्षद प्रतिनिधि अशोक खुराना के प्रयास से व एसएन वेलफेयर एसोसिएशन प्रधान जतिन बत्रा के सहयोग से दोनों पक्षों ने आपसी सहमति से गतिरोध समाप्त करने का निर्णय लिया। श्री शिव मन्दिर समिति व गुरुद्वारा सभा ने साथ-साथ चलने व एक दूसरे का सहयोग करने संकल्प लिया। इस अवसर पर आयोजित संयुक्त बैठक में मनीष ग्रोवर ने कहां कि गुरुद्वारा सभा व शिव मंदिर समिति का आपसी सहमति से विवाद समाप्त करने का निर्णय प्रदेश में शांति व भाईचारे की के रूप में देखा जाएगा। उन्होंने कहा कि सभी सुभाष नगर वासी मिल कर अपने क्षेत्र के विकास व सद्भावना के लिए काम करेंगे। इस अवसर पर अशोक खुराना ने कहा कि गुरुद्वारा व मंदिर हमारी सांझी विरासत है। दोनों के प्रति हमारी श्रद्धा व आस्था है। उन्होंने दोनों पक्षों को हर तरह का सहयोग करने का आश्वासन दिया।

महाराजा शूर सैनी की जयंती मनाई गई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

सैनी एजुकेशन सोसाइटी में महाराजा शूर सैनी की जयंती पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें संस्था के पदाधिकारीयों एवं सदस्यों ने भाग लेकर उनके चित्र पर प्रधान सहित अन्य पदाधिकारी ने माल्यार्पण व पुष्प अर्पित कर नमन किया।

सैनी एजुकेशन सोसाइटी के प्रधान अवनीश कुमार सैनी ने महाराज शूर सैनी के चित्र पर माल्यार्पण करते हुए बताया कि महाराजा शूर सैनी एक महान शासक, सामाजिक समरसता के पक्षधर, न्याय, शिक्षा एवं जन कल्याण के लिए लोकप्रिय थे। उन्होंने बताया कि हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने भी सभी समाज के अलग-अलग जनक व प्रवर्तकों के लिए उनकी जयंती को राज्य स्तर पर मनाने का निर्णय लिया है। इसके लिए सैनी संस्था मुख्यमंत्री का धन्यवाद करती हैं। गत 16 नवंबर को नारनौल में महाराज शूर सैनी की राज्य स्तरीय जयंती मनाई गई। जहां पर सैनी एजुकेशन सोसाइटी का एक दल भी जयंती में शामिल हुआ था। संस्था के मीटिंग हॉल में पहले महाराजा शूर सैनी की जयंती पर संस्था के पदाधिकारी एवं कॉलेजियम सदस्यों के बीच विचार गोष्ठी कर सभी ने अपने-अपने विचारों से महाराज शूर सैनी के बारे में अवगत कराया और उन्हें पुष्प अर्पित कर याद किया। संस्था के मीडिया प्रभारी श्याम कटारिया ने महाराज शूर सैनी की जीवनी पर विस्तृत चर्चा कर उपस्थित सदस्यों को समाज में कुछ नया और कल्याणकारी कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

साहिबजादों के बलिदान को समर्पित भव्य लाइट साउंड शो

- जिला वासियों से किया लाइट एंड साउंड शो देखने का आह्वान
- वीर बाल दिवस के उपलक्ष में 21 दिसंबर को आयोजित होगा लाइट एंड साउंड शो
- स्थानीय डीएलसी सुपवा परिसर में आयोजित होगा शो
- शो का उद्देश्य युवाओं को साहिब जादों द्वारा प्रदर्शित साहस, आस्था और बलिदान के मूल्यों से करना है प्रेरित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

उपायुक्त सचिन गुप्ता ने बताया कि सरकार के निर्देशानुसार वीर बाल दिवस के उपलक्ष में 21 दिसंबर को दोपहर बाद 2 बजे स्थानीय दादा लखमी चंद राज्य प्रदर्शन एवं दृश्य कला विश्वविद्यालय परिसर में श्री गुरु गोबिंद सिंह के साहिब जादों के अतुलनीय बलिदान को नमन करने के उद्देश्य से विशेष लाइट एंड साउंड स्टेज प्रस्तुति सफर-ए-शहादत का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने जिला वासियों विशेष कर सिख समुदाय के लोगों से इस कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने का आह्वान किया है।

सफर-ए-शहादत लाइट साउंड प्रस्तुति

सचिन गुप्ता ने बताया कि सफर-ए-शहादत सिख शहादत के गौरवशाली इतिहास की एक भावनात्मक एवं प्रभावशाली यात्रा प्रस्तुत करेगा। इसमें श्री गुरु तेग बहादुर साहिब के सर्वोच्च बलिदान से आरंभ होकर चमकौर दी गढ़ी की ऐतिहासिक घटनाओं तथा अंत में साहिबजादा बाबा जोरावर सिंह और साहिबजादा बाबा फतेह सिंह की शहादत तक की गाथा को जीवंत रूप में दर्शाया जाएगा। प्रस्तुति में सशक्त कथावाचन, एलईडी विजुअल्स, साउंड एवं लाइट इफेक्ट्स, एनीमेशन और वीएफएक्स के माध्यम से इन ऐतिहासिक क्षणों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया जाएगा। उपायुक्त सचिन गुप्ता ने बताया कि इस प्रस्तुति का निर्देशन प्रसिद्ध रंगकर्मी तलविंदर सिंह भुल्लर द्वारा किया जा रहा है, जिन्होंने इससे पूर्व देशभर में सिख इतिहास पर आधारित कई चर्चित लाइट एंड साउंड प्रस्तुतियों का सफलतापूर्वक मंचन किया है। लगभग एक घंटे की यह लाइट एंड साउंड प्रस्तुति प्रामाणिक ऐतिहासिक कथानक को आधुनिक मंच तकनीक के साथ जोड़ते हुए दर्शकों को एक सिनेमाई अनुभव प्रदान करेगी। इसका उद्देश्य विशेष रूप से युवाओं को साहिबजादों द्वारा प्रदर्शित साहस, आस्था और बलिदान के मूल्यों से प्रेरित करना है। इस प्रस्तुति की पटकथा पूर्णतः प्रामाणिक सिख ऐतिहासिक स्रोतों के अनुरूप तैयार की गई है, जिससे इसकी गरिमा, श्रद्धा और ऐतिहासिक सटीकता बनी रहे।

रोहतक। कैंडल जलाकर क्रिसमस व नये वर्ष की बधाई देते चर्च के फादर एरिक डेनियल, चर्च के सदस्य व समाजसेवी राजेश जैन।

चर्च के फादर ने राजेश जैन को दिया आशीर्वाद

रोहतक। क्रिसमस के अवसर पर सेक्टर एक में समाजसेवी राजेश जैन के निवास स्थान पर चर्च के फादर एरिक डेनियल व चर्च के सदस्य पहुंचे। मीडिया प्रभारी राजीव जैन ने बताया वहां पर फादर एवं सदस्यों द्वारा यीशु से प्रार्थना की व फादर के द्वारा भगवान यीशु से सुख शांति की कामना की गई। चर्च के फादर ने सभी को आशीर्वाद दिया, साथ ही सभी बच्चों को सेंटाक्लाज ने गिफ्ट दिए। बच्चों ने सेंटाक्लाज के साथ सैलफी लेकर खूब आनंद उठाया। उन्होंने सभी को क्रिसमस व नये वर्ष की बधाई दी। राजेश जैन ने क्रीसमिस के बारे में कहां क्रिसमस या बड़ा दिन ईशा मसीह या भगवान यीशु के जन्म की खुशी में मनाया जाने वाला पर्व है। यह पर्व देश व विदेशों में बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है। इस दिन सभी लोग चर्च में जाकर कैंडल जलाते हैं और जन्मदिन मनाते हैं। सभी यीशु से प्रार्थना करते हैं कि यीशु सभी को खुशहाल रखे। इस अवसर पर राजेश जैन ने सभी क्रिसमस और नये वर्ष की शुभकामनाएं दी और कहां कि आने वाला नया वर्ष सबके लिए मंगलकारी सिद्ध होगा।

"कोई मतदाता छूटे ना" विषय पर रंगोली प्रतियोगिता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

लाल नाथ हिन्दू महाविद्यालय में राष्ट्रीय मतदाता दिवस के उपलक्ष्य में रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अनिल कुमार तनेजा ने की। इस प्रतियोगिता का आयोजन जिला चुनाव कार्यालय, रोहतक तथा महाविद्यालय के विधायी साक्षरता प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। प्रतियोगिता का उद्देश्य युवाओं में मतदाता जागरूकता को बढ़ावा देना रहा।

विधायी साक्षरता प्रकोष्ठ के संयोजक डॉ. संदीप कादयान ने बताया कि प्रत्येक वर्ष 25 जनवरी को राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया जाता है। इसके अंतर्गत मतदाता जागरूकता से संबंधित विभिन्न गतिविधियों के आयोजन हेतु चुनाव आयोग द्वारा श्री लाल नाथ हिन्दू महाविद्यालय को नोडल कार्यालय बनाया गया है। इसी श्रृंखला में सर्वप्रथम रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसकी थीम "कोई मतदाता छूटे ना" रखी गई। इस प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और रंगों के माध्यम से लोकतंत्र और मतदान के महत्व को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए प्राचार्य डॉ. अनिल तनेजा ने कहा कि लोकतंत्र हमारे संविधान और देश की सबसे सुंदर देन है, जिसकी रक्षा केवल मतदान के माध्यम से संभव है। ऐसे आयोजन युवाओं में मतदाता जागरूकता को रुचिकर और प्रभावी तरीके से आगे बढ़ाते हैं। उन्होंने सफल आयोजन के लिए आयोजन समिति को बधाई भी दी। प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल की भूमिका डॉ. रश्मि छाबड़ा, डॉ. अंजू देशवाल और डॉ. रजनी कुमारी ने निभाई।

ये रहे परिणाम

परिणामों की घोषणा करते हुए प्रथम पुरस्कार राहुल (बीए प्रथम वर्ष, श्री लाल नाथ हिन्दू महाविद्यालय) को प्रदान किया गया। द्वितीय पुरस्कार संयुक्त रूप से रितिका (बीएससी प्रथम वर्ष, श्री लाल नाथ हिन्दू महाविद्यालय) और काजल (बीएड प्रथम वर्ष, वैश्य कॉलेज ऑफ एजुकेशन) को मिला। तृतीय पुरस्कार महेश (बीएससी प्रथम वर्ष) ने प्राप्त किया, जबकि सांत्वना पुरस्कार नेहा (बीए प्रथम वर्ष) को दिया गया। इस अवसर पर डॉ. शिखा, डॉ. प्रवीण शर्मा, डॉ. सन्नी कपूर, डॉ. सुमन दुरेजा, डॉ. ज्योति देशवाल, डॉ. ममता सहगल, मिस प्रतिभा और श्रीमती रितु सहित अनेक शिक्षकगण उपस्थित रहे।

महम। सड़क सुरक्षा प्रश्नोत्तरी के विजेता विद्यार्थी अपने शिक्षकों के साथ।

सड़क सुरक्षा प्रश्नोत्तरी में छाया आदर्श स्कूल

महम। आदर्श सीनियर सेकेंडरी स्कूल मदीना के विद्यार्थियों ने सड़क सुरक्षा विषय पर आयोजित ब्लॉक स्तरीय प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में भाग लिया। इस प्रतियोगिता में इस स्कूल के विद्यार्थियों ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है। प्रिंसिपल मंजूलता ने विजेता विद्यार्थियों को बधाई दी है और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। विद्यालय की ओर से प्रतियोगिता में भाग लेने वाले छात्र ध्रुव, खुशी और अक्षित ने अपनी समझ, ज्ञान और टीमवर्क से सभी को प्रभावित किया। प्रतियोगिता में ब्लॉक के विभिन्न स्कूलों की टीमों ने हिस्सा लिया, जिसमें आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल की टीम सर्वश्रेष्ठ रही। प्रिंसिपल मंजू लता ने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताएँ बच्चों में जागरूकता, आत्मविश्वास और जिम्मेदारी की भावना विकसित करती हैं। बताया कि ब्लॉक स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने के बाद अब यह टीम जिला स्तरीय रोड सेफ्टी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में भाग लेगी।

ओमप्रकाश चौटाला ने राजनीति व जनसेवा का असली धर्म सिखाया

पूर्व मुख्यमंत्री ओमप्रकाश चौटाला को दी श्रद्धांजलि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

हरियाणा की राजनीति में अनुशासन व दृढ़ इच्छाशक्ति के प्रतीक, 'लौह पुरुष' स्वर्गीय चौधरी ओम प्रकाश चौटाला की प्रथम पुण्यतिथि पर जननायक जनता पार्टी कार्यालय में श्रद्धांजलि सभा आयोजित हुई। पांच बार हरियाणा के मुख्यमंत्री रह चुके ओमप्रकाश चौटाला का निधन 20 दिसंबर 2024 को गुरुग्राम में हुआ था। वे 89 वर्ष के थे और किसानों, मजदूरों व कमजोर वर्गों के मसीहा के रूप में विख्यात रहे। जेजेपी पंचकूला जिलाध्यक्ष ओ.पी. सिहाग, जिलाध्यक्ष रोहतक डॉ. संदीप हुड्डा सहित जेजेपी पार्टी पदाधिकारियों व कर्मठ कार्यकर्ताओं ने उनकी तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। ओपी सिहाग ने कहा ओमप्रकाश चौटाला ने राजनीति व जनसेवा का असली धर्म सिखाया।

रोहतक। स्व. चौधरी ओम प्रकाश चौटाला के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देते जेजेपी कार्यकर्ता।

इनसो ने किया ओमप्रकाश चौटाला को याद

रोहतक। पूर्व मुख्यमंत्री एवं हरियाणा की राजनीति के आदर्श लोहपुरुष स्वर्गीय चौधरी ओमप्रकाश चौटाला की प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर इंडियन नेशनल स्टूडेंट्स ऑर्गेनाइजेशन (इनसो) के प्रदेश अध्यक्ष दीपक मलिक के नेतृत्व में छात्र साथियों द्वारा महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के स्टूडेंट एक्टिविटी सेंटर तथा जाट कॉलेज के मुख्य द्वार पर उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर छात्रों द्वारा नारे लगाकर स्वर्गीय चौधरी ओमप्रकाश चौटाला को याद किया गया तथा उनके संघर्षपूर्ण जीवन पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। इनसो प्रदेश अध्यक्ष दीपक मलिक ने कहा कि ओमप्रकाश चौटाला का संपूर्ण जीवन संघर्ष, साहस और अटूट संकल्प का प्रतीक रहा।

TOP-IN-TOWN रोहतक बाजार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें: विज्ञापन विभाग, हरिभूमि कार्यालय, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
मो. 9996959400, 9996985800, 9996965600, 9996954600

मानसरोवर हॉस्पिटल
REQUIRES
- Nursing Staff 4
- ICU Staff 6
- PRO/Marketing Executive 6
- Ward Boy 2
- Gate Keeper 2

नजदीक पी.एन.बी. बैंक, विकास नगर के सामने, सोनीपत रोड, रोहतक
Tel. :- +91-1262-253500 Mobile: 9254302848, 9053005599

श्री गणेशाय नमः
श्री बालाजी ज्योतिष केन्द्र
म.नं. 232, सेक्टर -14, हिसार मो. 85710-24131 87086-55938
प्यार मोहब्बत किया/कराया, जादु-टोना गुप्त दुश्मन, सौतन, नजर दोष, विदेश यात्रा, सास बहु/पति पत्नी में अनबन, पशुधन बर्बाद होना, कारोबार में बरकत ना होना, धन की बर्बादी, पढ़ाई में मन न लगना, विवाह में देरी, नौकरी में प्रमोशन
समस्या कैसी भी हो,
जड़ से होगी खत्म जब कभी भी ना बना हो काम तो होगा गारन्टीड समाधान
पं. तुषार शर्मा (गोल्ड मेडलिस्ट)
हर रोज मिलें सुबह 10:00 बजे से सायं 6:00 बजे तक

तापमान
अधिकतम 24.8 डिग्री
न्यूनतम 5.2 डिग्री

हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, रविवार, 21 दिसंबर 2025

12 स्किल मैपिंग से सरकारी स्कूल बनेंगे उत्कृष्टता ...

12 बीएमयू में पायथन डेवलपमेंट एवं यूआई वेब ...

खबर संक्षेप

इंटर कॉलेज बास्केटबॉल प्रतियोगिता का आगाज

रोहतक। जाट कॉलेज में शनिवार को दो दिवसीय इंटर कॉलेज (पुरुष) बास्केटबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। मुख्य अतिथि के तौर पर जाट शिक्षण संस्था के प्रधान गुलाब सिंह दिमाना और उप प्रधान धर्मराज विशेष अतिथि के तौर पर पहुंचे। प्रतियोगिता का पहला मैच यूटीडी और सीआर ए कॉलेज सोनीपत के बीच हुआ। जाट कॉलेज के प्रिंसिपल डॉक्टर जोगेंद्र सिंह दहिया ने बताया कि मैच के कई अहम मुकाबले रविवार को आयोजित किए जाएंगे।

एमडीएन स्कूल में विंटर कार्निवल 27 को

रोहतक। एमडीएन पब्लिक स्कूल में आगामी 27 दिसंबर, 2025 को विंटर कार्निवल 2025 इल्यूमिनेरिया का भव्य आयोजन किया जाएगा। यह रंगारंग उत्सव विद्यालय परिसर में दोपहर 12:30 बजे से प्रारंभ होगा। इस विशेष अवसर पर जिला उपायुक्त सचिन गुप्ता मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएंगे, जबकि एस. सी. मलिक अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। कार्निवल के अंतर्गत रैंप वॉक, त्वरित चित्रांकन प्रतियोगिता, अभिभावक–विद्यार्थी फ्रीज डांस, नृत्य प्रस्तुतियां, फूड एवं शॉपिंग स्टॉल, हॉन्टेड हाउस, ऊंट सवारी, विविध झूले, साहसिक गतिविधियां तथा आकर्षक छायांकन पृष्ठभूमियां प्रमुख आकर्षण होंगी।

गांव रिटौली में हुई गैंगवार में मारे गए दीपांशु के पिता का छलका दर्द, लगाई गुहार

'गांव के कई लड़के बदमाशों के चुंगल में फंस रहे, युवाओं को बचा लीजिए'

- फ्रोंक्स गाड़ी में सवार होकर आए 5 युवकों ने फॉर्च्यूनर गाड़ी पर चलाई थी गोलियां
- वारदात में प्रयुक्त गाड़ी बरामद, एसपी ने प्रेसवार्ता में दी जानकारी, बोले–कई युवकों को राउंडअप किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

गांव रिटौली कई साल से रंजिश की आग में जल रहा है। शुक्रवार शाम शराब ठेके पर हुई गैंगवार में एक युवक की मौत हो गई जबकि दो अन्य घायल हैं। इस मामले में पुलिस ने हमलावरों की गाड़ी बरामद करते हुए कई संदिग्ध युवकों को काबू किया है। वहीं, गैंगवार में मारे गए झज्जर जिले के महराणा गांव निवासी दीपांशु के पिता सोमबीर ने डीसीपी अमित दहिया से मिलकर कहा कि उनके बेटे की तो हत्या हो गई। गांव में कई युवा ऐसे हैं जो बदमाशों के चुंगल में फंस रहे हैं। गांव के युवाओं को बचा लीजिए। वहीं रोहतक एसपी सुरेंद्र सिंह भौरिया ने रिटौली सहित आसपास के गांवों के युवकों से अपील की है कि वह किसी के बहकावे में न आएं और गैंगवार का हिस्सा न बनें। इन युवाओं को विदेशों में बैठे गैंगस्टर विदेश में भेजने का प्रलोभन दे रहे हैं। पुलिस जल्द ही इन गांवों में जागरूकता अभियान भी चलाएगी।

> **एसपी की** युवकों से अपील किसी के बहकावे में न आएं और गैंगवार का हिस्सा न बने। विदेशों में बैठे गैंगस्टर विदेश में भेजने का प्रलोभन दे रहे हैं इससे बचें।

- रिटोली गांव स्थित ठेका गैंगस्टर सन्नी रिटोलिया का है जोकि बाबा गैंग का सरगना है।
- फायरिंग करने वाले हिमांशु भाऊ गैंग के शूटर हैं, गैंगवार में दोनों तरफ से 30-32 फायरिंग हुई

दीपांशु पर एक, रोहित पर 11 मामले दर्ज

मृतक युवक की पहचान दीपांशु निवासी गांव महराणा, जिला झज्जर के रूप में हुई है। दीपांशु के खिलाफ एक मामला पहले ही दर्ज है। घायल युवक की पहचान रोहित निवासी गांव आसौदा, जिला झज्जर के रूप में हुई है। रोहित के खिलाफ 11 आपराधिक मामलें दर्ज हैं। रोहित हाल में पैरोल पर आया हुआ है। आरोपी सजायाफ्ता अपराधी हैं।

शिमला जाने की बात कहकर निकला था दिपांशु

महराणा का दीपांशु 12वीं कक्षा में पढ़ता था। मृतक दीपांशु के पिता सोमबीर ने पुलिस को बताया कि उनका बेटा शिमला जाने के लिए घर से निकला था। जोकि शुक्रवार को वापस लौटना था। गांव के युवाओं को बदमाश आदमी जबरन गैंग में शामिल कर रहे हैं। उनके गांव के अनेकों युवा इसकी चपेट में है। इसलिए उनके गांव को बचाया जाए। उन्होंने बताया कि दीपांशु पिछले शनिवार को घर से शिमला घूमने के लिए गया था। दो दिन पहले उसकी मां से फोन पर बात हुई थी। तब उसने कहा था कि वह शुक्रवार तक घर वापस आ जाएगा। सोमबीर ने बताया कि दीपांशु पर जो मुकदमा दर्ज हुआ था, उसका पता भी उसे एक साल के बाद पता चला था।

दोनों गुटों में 2020 से चल रही रंजिश

हिमांशु उर्फ भाउ व सन्नी दोनो एक ही गांव के हैं। 2020 से दोनों में रंजिश चली आ रही है। झगड़े की शुरुआत बसों की किस्तों को लेकर हुआ था। सन्नी ने हिमांशु के चाचा के लड़के बजरंग की हत्या मार्च 2022 में की थी। उसका बदला लेने के लिए हिमांशु ने सन्नी के साथी हंसराज की हत्या की थी। उसके बाद से दोनों के बीच लगातार रंजिश चली आ रही है। इसी साल जून महीने में सन्नी के चाचा का मर्डर किया था।

सभी पुलिस थानों को अलर्ट पर रखा गया

पुलिस अधीक्षक सुरेंद्र सिंह भौरिया ने पत्रकारों से बातचीत में बताया कि शुक्रवार की शाम करीब 5:15 बजे पुलिस को सूचना प्राप्त हुई की गांव रिटोली में फ्रोंक्स कार सवार 5 युवकों ने फॉर्च्यूनर गाड़ी पर अंधाधुंध फायरिंग की वारदात को अंजाम दिया है। पुलिस टीम सूचना मिलते ही तुरंत मौके पर पहुंची। शहर की सभी पुलिस थाना को अलर्ट किया गया तथा जगह-जगह नाकाबंदी कर वाहनों की जांच करनी शुरू कर दी गई। वारदात में गोली लगने से घायल युवक दीपक पुत्र रमेश निवासी सुंडाना को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया।

गोली दीपक के पेट व कंधे पर लगी थी

प्रारंभिक जांच में सामने आया कि दीपक की सन्नी निवासी रिटौली के साथ शराब के ठेके में साझेदारी है। सन्नी का गांव रिटौली में शराब का ठेका है। शुक्रवार की शाम दीपक, सन्नी व उसके साथी शराब के ठेके के बाहर गाड़ी से सामान को अनलोड कर रहे थे। तभी फ्रोंक्स कार में सवार 5 युवक हथियारों सहित आए और शराब ठेके के पास खड़ी फॉर्च्यूनर गाड़ी पर गोलियां चलानी शुरू कर दी। गोली दीपक के पेट व कंधे पर लगी। सन्नी, दीपक व अन्य ने भागकर जान बचाई। वारदात के दौरान फ्रोंक्स कार सवार दो युवकों को भी गोली लगी।

कई संदिग्ध युवक पुलिस की हिरासत में

पुलिस अधीक्षक सुरेंद्र भौरिया ने बताया कि हिमांशु भाऊ व सन्नी रिटौली में लम्बे समय से रंजिश चल रही है। हिमांशु भाऊ फरार चल रहा है। रिटोली गांव स्थित शराब ठेका सन्नी रिटोली ने ले रखा है। शुक्रवार शाम सन्नी ठेके पर था। ठेके पर इसके साथ इसके साथी व ठेके का कर्मचारी मौजूद था। वारदात में करीब 40 राउड फायरिंग हुई है। वारदात में शामिल सभी युवकों की पहचान की जा चुकी है। घायल युवकों से गहनता से पूछताछ की जा रही है। कुछ संदिग्ध युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

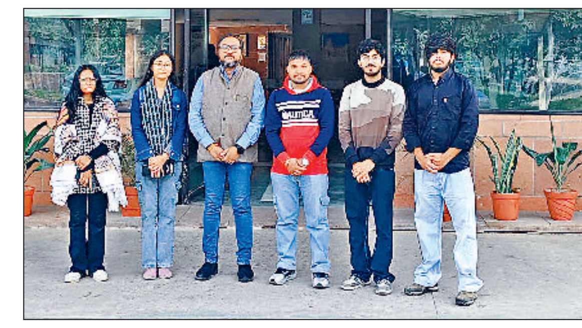

डीएलसी सुपवा में जश्न का माहौल

पांच छात्र नासा इंडिया मडोगिरी समर विंटर स्कूल के लिए चयनित

कुलपति डॉ. अमित आर्य ने छात्रों के चयन पर प्रसन्नता व्यक्त की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

दादा लख्मीचंद राज्य प्रदर्शन एवं दृश्य कला विश्वविद्यालय (डीएलसी सुपवा) के वास्तुकला स्नातक (बीआर्क) कार्यक्रम के पांच प्रतिभाशाली छात्रों का चयन प्रतिष्ठित नासा इंडिया समर विंटर स्कूल (एसडब्ल्यूएस) के लिए किया गया है। कुलपति डॉ. अमित आर्य ने छात्रों के चयन पर प्रसन्नता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि विश्वविद्यालय के लिए गर्व का विषय है और वास्तुकला शिक्षा के क्षेत्र में उसकी सशक्त उपस्थिति को दर्शाती है। यह राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला उत्तराखंड के पहाड़ी क्षेत्र में स्थित सतत समुदाय पहल मडोगिरी के सहयोग से आयोजित की जा रही है। चयनित छात्रों में अंकित नेहरा, मुस्कान अग्रवाल, हरशदीप कौर, नीरज और नवदीप शामिल हैं। ये सभी छात्र 21 से 27 दिसंबर 2025 तक ऋषिकेश के समीप टिहरी गढ़वाल जिले के काफलोग गांव में आयोजित सात दिवसीय गहन राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लेंगे। इस कार्यक्रम का उद्देश्य देशभर के वास्तुकला छात्रों को वैकल्पिक, स्थानीय और सतत वास्तु अभ्यासों से जोड़ना है, ताकि वे पारंपरिक कक्षा और स्टूडियो आधारित शिक्षा से आगे बढ़कर वास्तविक परिस्थितियों में सीख सकें। राष्ट्रीय वास्तुकला छात्र संघ (नासा इंडिया), जो देशभर के वास्तुकला छात्रों का सर्वोच्च प्रतिनिधि संगठन है, के तत्वावधान में आयोजित यह समर विंटर स्कूल एक प्रतिष्ठित शैक्षणिक मंच के रूप में जाना जाता है। यह कार्यक्रम अनुभवात्मक अध्ययन, पारिस्थितिक संवेदनशीलता और सामुदायिक सहभागिता के समन्वय पर आधारित होता है।

तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा

कार्यशाला के दौरान छात्रों को प्राकृतिक और सतत निर्माण तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसमें अर्थबैग गुंबद निर्माण, प्राकृतिक पलस्तर विधियां तथा अन्य पर्यावरण-अनुकूल निर्माण अभ्यास शामिल हैं। कार्यक्रम निर्माण के माध्यम से सीखने, सामूहिक जीवनशैली अपनाने और भू-दृश्य, जलवायु तथा स्थानीय समुदायों के साथ प्रत्यक्ष संवाद पर विशेष बल देता है, जो उत्तरदायी वास्तु शिक्षा के मूल सिद्धांत माने जाते हैं।

शहर की बेटी डॉ. अभिलाषा यंग साइंटिस्ट एक्सीलेंस अवॉर्ड से सम्मानित

- बेंगलुरु स्थित केंद्रीय रेशम बोर्ड में कार्यरत

रोहतक। डॉ. अभिलाषा वर्ष 2018 से बेंगलुरु स्थित केंद्रीय रेशम बोर्ड में कार्यरत हैं तथा भारतीय रेशम उद्योग के लिए अनुसंधान, नवाचार और उद्योगोन्मुख वैज्ञानिक योगदान में सक्रिय रूप से संलग्न रही हैं। रोहतक की डॉ. अभिलाषा ऐसे क्षेत्र से आती हैं, जो अपने उत्कृष्ट खिलाड़ियों के लिए जाना जाता है जहां अनुशासन, संघर्ष और कठोर परिश्रम जीवन का अभिन्न अंग हैं। यही गुण उनके पेशेवर जीवन में भी स्पष्ट रूप से दिखाई देते हैं। डॉ. अभिलाषा अपनी इस उपलब्धि का श्रेय अपने माता-पिता को देती हैं। वह अपने पिता जंग बहादुर रांगी तथा माता इंदु के प्रति हृदय से कृतज्ञता व्यक्त करती हैं, जिनके निरंतर मार्गदर्शन, प्रेरणा और त्याग ने उन्हें ईमानदारी, नैतिक मूल्यों और कर्मनिष्ठा की मजबूत नींव प्रदान की। कार्य के प्रति सत्यनिष्ठा और प्रतिबद्धता उनके जीवन के मूल सिद्धांत रहे हैं। रेशम विज्ञान और वस्त्र अभियांत्रिकी के क्षेत्र में वर्षों की समर्पित सेवा और योगदान के फलस्वरूप डॉ. अभिलाषा को एग्री टेक्नोवा 2025 अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के अंतर्गत आयोजित अकादमिक एक्सीलेंस अवॉर्ड्स 2025 में टेक्सटाइल इंजीनियरिंग डोमेन के लिए यंग साइंटिस्ट एक्सीलेंस अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार 19 दिसंबर 2025 को थियागराजर कॉलेज, मदुरै (तमिलनाडु) में आयोजित समारोह में प्रदान किया गया।

युवा शोधकर्ताओं के लिए यह यात्रा प्रेरणा बने : अभिलाषा

डॉ. अभिलाषा भगवद्गीता के 2.47 श्लोक -कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन के सिद्धांत में दृढ़ विश्वास रखती हैं और उनकी यात्रा इस बात का सशक्त प्रमाण है कि ईमानदार परिश्रम, निरंतर प्रयास और समर्पण से सपने साकार हो सकते हैं। डॉ. अभिलाषा अपने करियर में नई ऊंचाइयां प्राप्त करने तथा समाज और राष्ट्र के लिए प्रभावशाली एवं सार्थक योगदान देने की आकांक्षा रखती हैं। वह चाहती हैं कि उनकी यह यात्रा युवा शोधकर्ताओं के लिए प्रेरणा बने, ताकि वे यह विश्वास कर सकें कि कड़ी मेहनत, अनुशासन और सही मूल्यों के साथ किया गया कर्म अवश्य सफलता तक पहुंचता है।

नशा तस्करों पर बड़ी कार्रवाई, 342 टैपेंटाडोल गोलियों के साथ दो आरोपी धरे

रोहतक। जिले में नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत जिला औषधि नियंत्रण अधिकारी मनदीप मान व उनकी टीम ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। गुप्त सूचना के आधार पर की गई इस कार्रवाई में ड्रग विभाग की टीम ने दो नशा तस्करों को काबू कर उनके कब्जे से नशे के रूप में दुरुपयोग की जा रही 342 प्रतिबंधित टैपेंटाडोल गोलियां बरामद की हैं। यह कार्रवाई मेडिकल नशे के बढ़ते कारोबार पर रोक लगाने की दिशा में एक अहम कदम मानी जा रही है।

गुप्त सूचना पर छापेमारी

जिला औषधि नियंत्रण अधिकारी मनदीप मान ने बताया कि विभाग को विश्वसनीय सूत्रों से सूचना मिली थी कि कुछ युवक मेडिकल दवाइयों की आड़ में नशे का अवैध कारोबार कर रहे हैं और नशेड़ियों को खुलेआम प्रतिबंधित दवाइयां बेच रहे हैं। सूचना मिलते ही विभाग की टीम को सतर्क किया गया और पूरी योजना के साथ बताए गए स्थान पर दबिश दी गई। टीम ने मेडिकल मोड पार्क के सामने स्थित पार्किंग क्षेत्र में रेड की, जहां दो युवक संदिग्ध अवस्था में मौजूद पाए गए। तलाशी लेने पर उनके पास से 342 गोलियां टपेंटाडोल बरामद हुईं। यह दवा सामान्य तौर पर दर्द निवारक के रूप में चिकित्सकीय परामर्श पर दी जाती है, लेकिन नशेड़ी इसका दुरुपयोग कर रहे हैं।

पकड़े गए आरोपियों की पहचान

ड्रग विभाग द्वारा पकड़े गए दोनों नशा तस्करों की पहचान कुलबीर सिंह निवासी फरमाणा खास, तहसील महम, जिला रोहतक तथा अभिषेक आर्य निवासी सीकर, राजस्थान के रूप में हुई है। जांच के दौरान यह सामने आया कि दोनों आरोपी पार्किंग स्थल में नशेड़ियों को ये गोलियां बेचने की फिराक में थे।

मौसम अलर्ट — सुबह-शाम बढ़ी ठिठुरन, जन जीवन हो रहा प्रभावित

ठंडी हवाओं के अभी नहीं मिलेगी राहत

कोहरे की चादर में लिपटा रोहतक तापमान सामान्य से 5.3 डिग्री कम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

शनिवार को दिन की शुरुआत हल्के कोहरे के साथ हुई। ठंड का असर पूरे दिन बना रहा। गिरते तापमान के कारण लोग घरों में ही दुबके रहे। खासकर तड़के सुबह और शाम के समय ठिठुरन ज्यादा महसूस की गई। सर्द मौसम के चलते रोजमर्रा की गतिविधियों पर भी असर पड़ा और लोग घरों से निकलते समय अतिरिक्त सावधानी बरतते नजर आए।

वाहनों की रफ्तार पर लगे ब्रेक

हल्के कोहरे के कारण दृश्यता में थोड़ी कमी दर्ज की गई, जिससे सड़कों पर वाहनों की रफ्तार सामान्य से कम रही। ट्रैफिक पुलिस की ओर से भी वाहन चालकों को सावधानी बरतने की सलाह दी गई। मौसम विभाग के अनुसार रोहतक में तापमान सामान्य से 5.3 डिग्री सेल्सियस कम

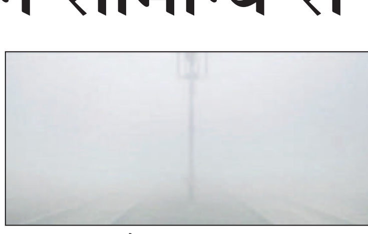

दर्ज किया गया है। न्यूनतम तापमान में आई इस गिरावट ने ठंड का अहसास और बढ़ा दिया है। दिन के समय हल्की धूप निकलने के बावजूद ठंडी हवाओं के चलते ज्यादा राहत नहीं मिली

स्वास्थ्य को लेकर बरतें सावधानी

ठंड के मौसम में बुजुर्गों, बच्चों और सांस संबंधी बीमारियों से ग्रस्त लोगों को विशेष सतर्कता बरतने की आवश्यकता है। चिकित्सकों की सलाह है कि सुबह और शाम के समय बाहर निकलते वक्त गर्म कपड़े जरूर पहनें। गर्म पेय पदार्थों का सेवन करें।

धीमी गति से चलाएं वाहन

कोहरे के दौरान वाहन चालकों को विशेष सतर्कता बरतने की आवश्यकता होती है। इस समय वाहनों की गति धीमी रखनी चाहिए और जल्दबाजी में ड्राइविंग करने से बचना चाहिए। कोहरे में साफ देखने के लिए हाई बीम की बजाय लो बीम हेडलाइट या फॉग लाइट का प्रयोग करना अधिक सुरक्षित रहता है। आगे चल रहे वाहन से पर्याप्त दूरी बनाए रखना जरूरी है, ताकि अचानक ब्रेक लगने की स्थिति में टक्कर से बचा जा सके।

रिफ्लेक्टिव जैकेट का प्रयोग करें

दोपहिया वाहन चालकों को हेलमेट पहनने के साथ-साथ रिफ्लेक्टिव जैकेट का इस्तेमाल करना चाहिए, जिससे वे दूर से दिखाई दे सकें। सुबह और देर रात के समय अतिरिक्त सतर्कता जरूरी होती है, क्योंकि इस दौरान कोहरा अधिक घना रहता है। यात्रा से पहले वाहन की हेडलाइट, ब्रेक और वाइपर की जांच करना भी सुरक्षा की दृष्टि से जरूरी है।

खबर संक्षेप

सुशील पहलवान की उपलब्धि प्रेरणास्रोत

सांपला। पंचकूला में आयोजित 34वीं हरियाणा मास्टर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 1500 मीटर दौड़ प्रतियोगिता में गढ़ी सांपला निवासी सुशील पहलवान ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक हासिल कर क्षेत्र का नाम रोशन किया। उनकी इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर सांपला स्थित छोटू राम संग्रहालय में स्वागत एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन में खुशी को प्रथम स्थान

रोहतक। नशे के विरुद्ध जागरूकता अभियान के अंतर्गत पंडित नेकीराम शर्मा राजकीय महाविद्यालय में शनिवार को पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन कंपटीशन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ.सुरेंद्र सांगवान ने की। इस प्रतियोगिता में कुल 112 विद्यार्थियों ने भाग लिया। इनमें बी.ए.प्रथम वर्ष की छात्रा खुशी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया । मोनिका द्वितीय स्थान पर रही एवं विनीत कुमार तथा काजल ने संयुक्त रूप से तीसरा स्थान प्राप्त किया।

प्रदेश की खुशहाली नहीं हो रही हजम : सांसद

महम। राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा ने शनिवार को महम चीनी मिल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मिल में मौजूद किसानों से बातचीत की। उन्होंने अधिकारियों से क्षेत्र मे गन्ना उत्पादन की जानकारी ली और चीनी उत्पादन के विषय मे बातचीत की। आज प्रदेश का मुखिया एक किसान का बेटा है जो किसान परिवार से है। किसानों को कोई परेशानी नहीं होने दे रहा। मुख्यमंत्री नायब सैनी पहले एसे मुख्यमंत्री जिसने सबसे ज्यादा फसलों पर एमएसपी दी। आज प्रदेश का हर नागरिक खुशहाल है और कुछ लोगों को यह हजम नहीं हो रहा।

अविश्वास प्रस्ताव ने फिर उजागर की कांग्रेस की फूट

रोहतक। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश मीडिया सह-प्रभारी शमशेर सिंह खरक ने कहा कि हरियाणा विधानसभा में कांग्रेस द्वारा गए अविश्वास प्रस्ताव ने कांग्रेस की ही कमजोरी उजागर कर दी है। कांग्रेस के 37 में से 32 विधायकों ने ही इस पर हस्ताक्षर किए हैं। यही नहीं भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने भी इस प्रस्ताव पर हस्ताक्षर नहीं किए। इससे पता लगता है कि कांग्रेस गुटों में बंटी हुई है अब जनाधार वापस लाना कांग्रेस के लिए नामुमकिन है। शमशेर खरक ने कहा कि इस तरह का अविश्वास प्रस्ताव लाना कांग्रेस की अंदरूनी गुटबाजी और सांगठनिक कमजोरी को दर्शाता है।

हॉटस्पॉट डोमिनेशन अभियान जारी

रोहतक। जिला पुलिस द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन हॉटस्पॉट डोमिनेशन अभियान के अंतर्गत अवैध शराब तस्करी के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए अलग-अलग स्थानों से चार युवकों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 176 बोतल, 26 अध्धे व 222 पव्वे देसी व अंग्रेजी शराब बरामद की है। सभी को आबकारी अधिनियम के तहत अलग-अलग मामले दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है।

विद्यार्थियों के चेहरों से गायब हो रही खुशी, मायूस रहने लगा भविष्य

- मोबाइल की लत, पढ़ाई का बोझ और बेरोजगारी की समस्या से जूझ रहा देश का युवा
- बीके चेतना और बीके सुमन ने एनएसएस स्वयंसेवकों को सिखाए खुश रहने के तरीके

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महम

महम। बीके चेतना और बीके सुमन को स्मृति चिन्ह प्रदान करते एनएसएस शिविर के आयोजक।

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय महम में सात दिवसीय एनएसएस शिविर लगाया है। शनिवार को शिविर का पांचवां दिन था। इस दिन प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज सेंटर महम की संचालिका बीके चेतना और सहसंचालिका बीके सुमन बतौर मोटिवेशनल स्पीकर एनएसएस शिविर में पहुंची। इस दौरान उन्होंने स्वयंसेवकों को मोबाइल का दुरुपयोग न करने की सलाह दी। साथ ही नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया। शिविर में मौजूद स्वयंसेवकों के मायूस चेहरे देखकर बीके चेतना ने कहा कि आज के समय में विद्यार्थियों के चेहरों से खुशी गायब होती जा रही है। जबकि विद्यार्थी जीवन को व्यक्ति का स्वर्णकाल कहा जाता था। क्योंकि इस काल में बच्चे, किशोर और युवा खुश रहते थे। लेकिन अब ऐसा नहीं है। स्कूलों और कोलेजों में पढ़ने वाले विद्यार्थी देश का भविष्य होते हैं। लेकिन देश का भविष्य अब मायूस रहने लगा है। हमें युवाओं को इइस मायूसी से बाहर निकालने की जरूरी है। कुछ युवाओं को छोड़कर यदि बात करें तो आज का युवा मोबाइल का दुरुपयोग कर रहा है। पढ़ाई को बोझ मानने लगा है और रोजगार को लेकर काफी चिंतित है। बीके चेतना ने एनएसएस स्वयंसेवकों को स्व सशक्तिकरण करने के लिए कहा। बताया कि यदि युवक युवतियां खुद सशक्त होंगे तो राष्ट्र अपने आप सशक्त हो जाएगा। स्व सेवा से राष्ट्र सेवा की ओर जाएंगे। खुद से प्यार करें, अच्छे विचार रखें, अच्छी पुस्तकें पढ़ें। परिवारजनों और शिक्षकों से भी प्यार करें। उन्हें सम्मान दें। पोजिटिव विचार मन की खुराक होते हैं। हमेशा सकारात्मक सोचें।

मोबाइल को केवल अच्छी चीजें देखने के लिए प्रयोग करें

बीके सुमन ने एनएसएस स्वयंसेवकों को खुश रहने के गुर सिखाए। स्वयंसेवकों से पूछा कि मोबाइल को उन्होंने पकड़ रखा है या फिर उन्होंने मोबाइल पकड़ रखा है। विद्यार्थियों ने जवाब दिया कि उन्होंने मोबाइल पकड़ रखा है। इसलिए मोबाइल को केवल अच्छी चीजें देखने के लिए प्रयोग करें। नकारात्मक चीजें मोबाइल में सर्च न करें। कनिष्ठ अभियंता पारस भाई ने भी विद्यार्थियों को आध्यात्मिक बातें बताई। उन्होंने स्वयंसेवकों को ध्यान करने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर प्रिंसिपल राजेश नांदल, विद्यालय इंचार्ज विश्वबंधु, मनोविज्ञान प्रवक्ता वंदना, एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी अमनदीप, डीपीई परविंदर, तरुण व योगेश मौजूद थे।

निपुण रोहतक के तहत प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारियों को लेकर चर्चा

स्किल मैपिंग से सरकारी स्कूल बनेंगे उत्कृष्टता के केंद्रः डीसी

डीसी सचिन गुप्ता विद्यार्थियों से फीडबैक लेने के लिए अचानक पहुंचे सरकारी विद्यालय

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

जिला के सरकारी स्कूलों को निपुण हरियाणा अभियान के अंतर्गत निपुण रोहतक पहल के माध्यम से एकीकृत दृष्टिकोण अपनाकर उत्कृष्टता केंद्रों के रूप में विकसित किया जा रहा है। इस पहल के तहत प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, मजबूत आधारभूत शिक्षा और सुनियोजित स्किल मैपिंग पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उपायुक्त सचिन गुप्ता ने विद्यार्थियों को जेईई, नीट व अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी स्कूल स्तर पर ही करवाई जानी चाहिए, ताकि सभी विद्यार्थियों को समान अवसर मिल सकें और निजी कोचिंग संस्थानों पर निर्भरता कम हो। उपायुक्त ने भिवानी रोड स्थित राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, रोहतक का औचक निरीक्षण किया और शैक्षणिक गतिविधियों व बुनियादी ढांचे की समीक्षा की। इस दौरान आयोजित अभिभावक-शिक्षक बैठक (पीटीएम) में उन्होंने अभिभावकों से विस्तार से संवाद किया तथा विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति, सीखने की कमियों, उपस्थिति और अनुशासन पर चर्चा की। उन्होंने शिक्षण गुणवत्ता, विद्यालय सुविधाओं और स्टाफ के व्यवहार को लेकर अभिभावकों से फीडबैक भी लिया और बच्चों की शिक्षा व करियर मार्गदर्शन में उनकी सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया। उपायुक्त ने कक्षाओं, विज्ञान प्रयोगशालाओं, विद्यालय के खेल मैदान और मिड-डे मील व्यवस्था का निरीक्षण किया तथा विद्यार्थियों से सीधे संवाद कर उनकी पढ़ाई और भविष्य की आकांक्षाओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने आश्वासन दिया कि जिला प्रशासन शैक्षणिक सुधारों, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, आधारभूत शिक्षा को मजबूत करने और कौशल विकास से संबंधित सभी पहलों में विद्यालयों को पूर्ण सहयोग प्रदान करेगा। इस दौरान खंड शिक्षा अधिकारी जयभगवान, प्राचार्या अरूणा नांदल, एबीआरसी सुशीला, एफएलएन कोर्डिनेटर रूपांशी हुड्डा व मुख्य शिक्षक सोनिया आदि मौजूद थे।

परीक्षा की तैयारी का आकलन किया

उपायुक्त सचिन गुप्ता ने शिक्षकों और विद्यार्थियों से संवाद कर कक्षा शिक्षण, विषय समझ और परीक्षा की तैयारी का आकलन किया। उन्होंने निर्देश दिए कि मेधावी और प्रेरित विद्यार्थियों की पहचान प्रारंभिक स्तर पर ही की जाए और उन्हें प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए विशेष मार्गदर्शन प्रदान किया जाए। साथ ही जेईई, नीट और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के पिछले वर्षों के प्रश्न पत्रों पर आधारित नियमित अभ्यास परीक्षाएं और मॉक टेस्ट विद्यालय स्तर पर अनिवार्य रूप से आयोजित करने के निर्देश दिए, जिससे विद्यार्थियों का आत्मविश्वास और प्रदर्शन बेहतर हो सके।

प्रारंभिक शिक्षा के महत्व पर बल दिया

प्रारंभिक शिक्षा के महत्व पर बल देते हुए उपायुक्त ने प्राथमिक कक्षाओं की भी समीक्षा की और कहा कि पढ़े रोहतक लिखे रोहतक / निपुण रोहतक का उद्देश्य पठन, लेखन और संख्यात्मक कौशल में कक्षा स्तर की दक्षता सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि मजबूत आधारभूत शिक्षा भविष्य की शैक्षणिक सफलता के लिए अत्यंत आवश्यक है और यही उच्च कक्षाओं में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी की मजबूत नींव बनती है। उन्होंने स्किल पासबुक पहल पर भी जोर देते हुए कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी की शैक्षणिक प्रगति, कौशल, रुचियों और सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों का व्यवस्थित दस्तावेजीकरण व्यक्तिगत मार्गदर्शन, बेहतर करियर काउंसलिंग और शिक्षकों व अभिभावकों द्वारा सही निर्णय लेने में सहायक होगा।

जल संरक्षण की शपथ लेते एनएसएस के स्वयंसेवक

रोहतक। सीनियर सेकेंडरी स्कूल में 7 दिवसीय शिविर के छठे दिन की शुरुआत कैप्टन जगदीश सिंह मलिक ने की। उन्होंने स्वयंसेविको को कहा कि जल है तो कल है इसलिए हमें इसका समझदारी से प्रयोग करना चाहिए। ताकि हमारा भविष्य सुरक्षित रहे और आने वाली पीढियां के लिए पानी बचा सके। इसी के साथ स्वयंसेवको ने जल को बचाने के शपथ ली। प्रोग्राम ऑफिसर सुमन लता ने उनका धन्यवाद किया। दोपहर बाद स्वयंसेवकों ने भोजन ग्रहण किया। बाद में 'यूथ पीस फाउंडेशन 'की टीम ने शांति का संदेश दिया। साथ ही कहा कि सच्ची शांति हमारे बाहर नहीं अंदर है उन्होंने कहां की अपने आप को जानना जरूरी है शांति कोई विचार नहीं बल्कि एक अनुभव होता है इस भाग दौड़ की जिंदगी में हमें अपने अंदर की शांति को खोजना होगा। यदि एक व्यक्ति के भीतर शांति है तो वह परिवार में शांति लाता है और समाज में प्रेम फैलाता है और देश को मजबूत बनाता है स्कूल के प्राचार्य डॉ आरके सैनी ने यूथ पीस फाउंडेशन टीम का धन्यवाद किया इस अवसर पर रिंकी सैनी प्रियंका सैनी कविता, व नवीन उपस्थित रहे।

जीडी गोयनका का समिट में शानदार प्रदर्शन

रोहतक। जीडी गोयनका इंटरनेशनल स्कूल के लिए यह अत्यंत गर्व का क्षण रहा जब विद्यालय के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों ने इंटरनेशनल एडोलसेंट लीडरशिप समिट में भाग लेकर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रभावी प्रदर्शन किया। यह प्रतिष्ठित सम्मेलन 17 से 19 दिसंबर 2025 तक नेशनल बाल भवन, नई दिल्ली में आयोजित किया जा रहा है। सम्मेलन की थीम उच्च शिक्षा की वेलबीइंग संस्कृति के साथ किशोरों के समन्वय का उत्सव रही, जिसका मुख्य उद्देश्य किशोरों में जीवन कौशल, मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता, आत्मविश्वास तथा नेतृत्व क्षमता का विकास करना है। इस राष्ट्रीय मंच पर देशभर से विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं विषय विशेषज्ञों की सहभागिता रही। विद्यालय की ओर से कक्षा 9 की खुशी ने अपने मनमोहक मनोनृत्य से दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। कक्षा 9 की अनन्या ने प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक के माध्यम से सामाजिक संदेश प्रस्तुत किया। कक्षा 11 (कॉमर्स) की जूनी ने अपनी रचनात्मक कला का सुंदर प्रदर्शन किया, जबकि कक्षा 9 की आन्या ने वाद-विवाद प्रतियोगिता में आत्मविश्वास के साथ अपने विचार रखे।

विद्यार्थियों को कानूनी अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति किया जागरूक

एचएम पब्लिक स्कूल में कानूनी जागरूकता एवं पुरस्कार वितरण समारोह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

एचएम पब्लिक स्कूल में कानूनी जागरूकता एवं पुरस्कार वितरण समारोह का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को कानूनी अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम का मंच संचालन अनीता मलिक द्वारा कुशलतापूर्वक किया गया। समारोह का शुभारंभ उप-प्राचार्य सोनिया रानी के स्वागत उद्बोधन से हुआ, जिसमें उन्होंने अतिथियों का स्वागत करते हुए विद्यालय की विशेषताओं पर प्रकाश डाला तथा उन्हें गुलदस्ता भेंट कर सम्मानित किया।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए) की ओर से विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित एडवोकेट दीपक चहल एवं एडवोकेट डिम्पल अरोड़ा ने विद्यार्थियों को विभिन्न कानूनी पक्षों की महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। एडवोकेट डिम्पल अरोड़ा ने घरेलू हिंसा से संबंधित कानूनों पर प्रकाश डाला, वहीं एडवोकेट दीपक चहल ने बताया कि कानूनी सहायता प्राप्त करना प्रत्येक व्यक्ति का मौलिक अधिकार है तथा डीएलएसए इस दिशा में किस प्रकार सहयोग करता है। समारोह के दौरान पेंटिंग प्रतियोगिता के सर्वश्रेष्ठ दस प्रतिभागियों एवं क्विज प्रतियोगिता के वरिष्ठ एवं कनिष्ठ वर्ग की प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली टीमों को विशेष अतिथियों द्वारा पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक एवं रोचक रहा। कार्यक्रम के अंत में मैनेजिंग डायरेक्टर नरेश बल्हार ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए अतिथियों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने यह भी बताया कि विद्यालय किस प्रकार वैकल्पिक शिक्षा की दिशा में निरंतर अग्रसर है और इसे राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप विकसित करने को लेकर प्रतिबद्ध है।

समारोह के समापन पर विद्यालय समन्वयक बबीता एवं प्राथमिक शिक्षक कांता द्वारा विद्यालय की ओर से विशेष अतिथियों को स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया।

विकसित भारत के लिए मनरेगा में सुधार समय की जरूरत : डॉ. अशोक

रोहतक। भारतीय जनता पार्टी के सभी प्रकोष्ठों के जिला प्रभारी डॉ. अशोक कुमार रंगा ने कहा कि विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए मनरेगा जैसे महत्वपूर्ण कार्यक्रम में सुधार अत्यंत आवश्यक हो गया था। इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए केंद्र सरकार द्वारा 'विकसित भारत जी-राम-जी विधेयक 2025' लोकसभा में पारित किया गया है, जो ग्रामीण रोजगार और ग्रामीण विकास को नई दिशा देगा। डॉ. रंगा ने बताया कि मनरेगा के अंतर्गत कुल बजट का 60 प्रतिशत मजदूरी और 40 प्रतिशत मैटीरियल पर खर्च किए जाने का प्रावधान था लेकिन व्यवहार में मजदूरी का हिस्सा तो पूरा खर्च होता रहा।

मार्केट न्यूज

राज मोटर्स शोरूम में टाटा सिएरा का भव्य लॉन्च

रोहतक। राज मोटर्स के शोरूम में देश की प्रमुख ऑटोमोबाइल निर्माता कंपनी टाटा मोटर्स ने अपनी प्रीमियम डिजाइन श्रेणी की नई टाटा सिएरा को भव्य कार्यक्रम के साथ लॉन्च किया। इस अवसर पर राज मोटर्स के मालिक अशोक कुमार दलाल और टाटा मोटर्स के टीएसएम वैभव चौधरी ने संयुक्त रूप से कार्यक्रम का उद्घाटन किया। दोनों अतिथियों ने केक काटकर और वाहन से पर्दा हटाकर नई टाटा सिएरा को आधिकारिक रूप से ग्राहकों के सामने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के दौरान टाटा सिएरा की विशेषताओं और तकनीकी खूबियों की विस्तृत जानकारी दी गई। बताया गया कि इस नई प्रीमियम कार की शुरुआती कीमत 11.49 लाख रुपये रखी गई है। टाटा सिएरा पेट्रोल इंजन के साथ पेश की गई है, जिसमें आधुनिक तकनीक, दमदार परफॉर्मेंस और रोमांचक फीचर्स का बेहतरीन संयोजन देखने को मिलता है। आकर्षक डिजाइन, उन्नत सेफ्टी फीचर्स और आरामदायक इंटीरियर इसे युवाओं और परिवारों दोनों के लिए एक बेहतरीन विकल्प बनाते हैं।

टास्क के नाम पर 10.14 लाख की ठगी, गिरोह के 3 सदस्य गिरफ्तार

- थाना प्रभारी साइबर क्राइम, निरीक्षक कुलदीप सिंह ने दी जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

निरीक्षक कुलदीप सिंह।

पुलिस की साइबर क्राइम थाना टीम ने वर्क-फ्रॉम-होम टास्क के नाम पर 10 लाख 14 हजार रुपये की ठगी के मामले में गिरोह से जुड़े तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों को अदालत में पेश किया गया है। मामले की गहन जांच जारी है। थाना प्रभारी साइबर क्राइम, निरीक्षक कुलदीप सिंह ने बताया कि मोरखेड़ी निवासी जतिन की शिकायत पर अभियोग दर्ज कर जांच शुरू की गई। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि 11 अगस्त 2025 को जतिन के टेलीग्राम अकाउंट पर वर्क-फ्रॉम-होम के नाम से संदेश आया। बातचीत के दौरान उसे होटल रेटिंग देने का टास्क बताया गया और एक टेलीग्राम ग्रुप में जोड़ दिया गया। पहले चरण में 7,000 रुपये का टास्क दिया गया, जिसे पूरा करने पर जतिन की बनाई गई आईडी पर 14,000 रुपये का मुनाफा दिखाया गया। इसके बाद 28,000 रुपये और फिर 64,700 रुपये के टास्क दिए गए। जब जतिन ने रकम निकालने की कोशिश की तो विड्रॉल नहीं हुआ। आरोपियों ने टास्क अधूरा रहने पर पूरी राशि डूबने की धमकी देकर अलग-अलग ट्रांजेक्शन के जरिए टेलीग्राम पर बनाए गए खातों में कुल 10.14 लाख रुपये ट्रांसफर करवा लिए। जतिन केवल 4,400 रुपये ही निकाल सका; शेष रकम निकालने के नाम पर उससे लगातार भुगतान करवाया जाता रहा।

कार्यक्रम में कुल 70 विद्यार्थियों ने भाग लिया

बीएमयू में पायथन डेवलपमेंट एवं यूआई वेब डिजाइनिंग पर हुआ प्रशिक्षण कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रोहतक। बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय रोहतक में "पायथन डेवलपमेंट एवं यूआई वेब डिज़ाइनिंग" के एआई प्रशिक्षक को सम्मानित करते हुए कुलपति डॉ. बी एम यादव।

बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय एवं एमएसएमई के संयुक्त तत्वावधान में "पायथन डेवलपमेंट एवं यूआई वेब डिज़ाइनिंग"विषय पर आयोजित छह सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. बी. एम. यादव एवं रजिस्ट्रार डॉ. विनोद कुमार के कुशल मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।

यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 11 नवंबर से प्रारंभ हुआ था, जिसमें इंजीनियरिंग संकाय के कुल 70 विद्यार्थियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीकी कौशल से सुसज्जित करना तथा उन्हें उद्योग की वर्तमान आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करना था। प्रशिक्षण के दौरान एआई प्रशिक्षक राहुल ने विद्यार्थियों को पायथन प्रोग्रामिंग एवं यूआई वेब डिजाइनिंग से संबंधित व्यावहारिक ज्ञान अत्यंत सरल, प्रभावी एवं रोचक ढंग से प्रदान किया। प्रशिक्षण में हैंड्स-ऑन प्रैक्टिस, रियल लाइफ उदाहरणों और प्रोजेक्ट आधारित शिक्षण पर विशेष ध्यान दिया गया, जिससे विद्यार्थियों की प्रोग्रामिंग क्षमता, तार्किक सोच एवं समस्या समाधान कौशल में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला।

ये रहे मौजूद

कार्यक्रम की संयोजक डॉ. बनीता रहीं, जबकि सह-संयोजक डॉ. बिजेंद्र सिंह थे। आयोजन सचिव की भूमिका डॉ. नेहा एवं कीर्ति अरोड़ा ने निभाई। इस अवसर पर इंजीनियरिंग संकाय के शिक्षकगण कीर्ति अरोड़ा, डॉ. नेहा, प्रशिक्षक राहुल, डॉ. राजीव, डॉ. अनिल ढुडी, डॉ. सोमवीर एवं सुश्री दीपिका शर्मा सहित अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

महान गणितज्ञ को श्रद्धांजलि, एचडी पब्लिक स्कूल में रोमांचक मैथ्स क्विज प्रतियोगिता आयोजित

रोहतक। बहुअकबरपुर स्थित एच.डी. पब्लिक स्कूल में महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन की जयंती (22 दिसंबर) के अवसर पर अंतरसदनीय गणित क्विज प्रतियोगिता का प्रेरणादायी एवं उत्साहपूर्ण आयोजन किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों में गणित के प्रति रुचि विकसित करना तथा उनकी तार्किक, विश्लेषणात्मक और बौद्धिक क्षमताओं को सशक्त बनाना रहा। प्रतियोगिता दो वर्गों में संपन्न हुई। कक्षा 3 से 5 के विद्यार्थियों के लिए आयोजित मैथ्स क्विज का सफल संचालन मोनिका बल्हारा एवं वंदना द्वारा किया गया, जबकि कक्षा 6 से 8 के विद्यार्थियों के लिए क्विज का संचालन मोनिका सांगवान एवं दीप्ति ने किया। दोनों वर्गों में विद्यार्थियों ने पूरे आत्मविश्वास एवं उत्साह के साथ भाग लेते हुए अपनी गणितीय प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। कक्षा 6 से 8 वर्ग में प्रथम स्थान – कोरल हाउस, द्वितीय स्थान – सफायर हाउस तथा तृतीय स्थान – एमराल्ड हाउस ने प्राप्त किया। वहीं कक्षा 3 से 5 वर्ग में प्रथम स्थान – सफायर हाउस, द्वितीय स्थान – टोपेज हाउस तथा तृतीय स्थान – एमराल्ड हाउस को प्राप्त हुआ। कार्यक्रम के दौरान रोचक एवं विचारोत्तेजक प्रश्नों ने बच्चों को न केवल सोचने के लिए प्रेरित किया, बल्कि गणित को एक आनंदपूर्ण विषय के रूप में प्रस्तुत किया। विद्यालय के निदेशक सुरेंद्र सिंह फोगाट एवं शैक्षणिक निदेशक कृष्णा बल्हारा फोगाट ने दोनों वर्गों के सभी विजेताओं को हार्दिक बधाई दी और विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि रामानुजन का जीवन परिश्रम, लगन और आत्मविश्वास की अनुपम मिसाल है।

क्रिसमस स्पेशल

सदियों से मनाया जा रहा प्रभु यीशू के जन्मोत्सव को समर्पित क्रिसमस का पर्व, अब किसी एक क्षेत्र या वर्ग का नहीं ग्लोबल फेस्टिवल बन चुका है। वैश्विक प्रेरणाओं, मानवीय मूल्यों और व्यक्तिगत संवेदनाओं के संगम से आज का क्रिसमस हमें यह सोचने का अवसर देता है कि हम सिर्फ उत्सव न मनाएं बल्कि उत्सव बन जाएं। यही इस दौर के क्रिसमस की सबसे बड़ी और सबसे सकारात्मक उपलब्धि है।

कवर स्टोरी / आर. सी. शर्मा

खुशी-उल्लास-उमंग का ग्लोबल फेस्टिवल क्रिसमस

क्रिसमस एक ऐसा पर्व है जो एक समय तक धार्मिक उत्सव के रूप में मनाया जाता था, लेकिन आज इक्कीसवीं सदी में यह वैश्विक संवेदना, मानवीय एकजुटता और सामूहिक खुशी का प्रतीक बन चुका है। बदलती तकनीक, तेज रफ्तार जीवनशैली, वैश्वीकरण और सामाजिक विविधताओं के बीच भी क्रिसमस का रोमांच कम नहीं हुआ बल्कि कई अर्थों में और गहरा हुआ है।

परंपरा-आधुनिकता का संगम

आज के दौर में क्रिसमस सिर्फ चर्च की घंटियों, कैरोल्स गाने या क्रिसमस ट्री सजाने तक सीमित नहीं है बल्कि यह एक ऐसा अवसर बन चुका है, जहां परंपरा और आधुनिकता एक-दूसरे में घुल-मिल जाती हैं। सोशल मीडिया पर फैली रोशनियां, डिजिटल ग्रीटिंग्स, वर्चुअल पार्टियां और ऑनलाइन गिफ्टिंग, इन सबने क्रिसमस को एक नए स्वरूप से सजा दिया है। जहां पहले क्रिसमस का अनुभव स्थानीय समुदाय तक सीमित रहता था, वहीं आज यह एक ग्लोबल इवेंट बन गया है। न्यूयॉर्क की सड़कों से लेकर टोक्यो, मुंबई और नैरोबी तक हर जगह क्रिसमस की सजावट, संगीत और उल्लास एक साझा भाव पैदा करता है।

खुशियों का नया एहसास

हाल के दशकों में क्रिसमस को लेकर हमारी भावनाओं में निश्चित ही बदलाव आया है। आधुनिक जीवन में तनाव, प्रतिस्पर्धा और अकेलापन बढ़ा है। ऐसे में क्रिसमस एक भावनात्मक विराम की तरह आता है, जहां लोग रुककर रिश्तों, यादों और मानवीय जुड़ाव को महत्व देते हैं। आज की खुशियां सिर्फ उपहारों तक सीमित नहीं रहीं। मानसिक स्वास्थ्य, भावनात्मक सुरक्षा और साथ होने की अनुभूति अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। क्रिसमस के समय परिवार या दोस्तों के साथ बैठकर खाना खाना, पुरानी यादें साझा करना या किसी जरूरतमंद की मदद करना, इन सबमें एक गहरी संतुष्टि छिपी है। यानी खुशी की मात्रा नहीं, लेकिन उसकी गुणवत्ता बदली है। यह अधिक संवेदनशील और अधिक मानवीय हुई है।

करुणा-साझेदारी की प्रेरणा

इक्कीसवीं सदी का क्रिसमस हमें कुछ बेहद महत्वपूर्ण वैश्विक प्रेरणाएं देता है। आज क्रिसमस के साथ चैरिटी, फूड ड्राइव्स, शेल्टर होम्स और ऑनलाइन फंड रेजिंग जुड़ चुके हैं। लोग यह समझने लगे हैं कि सच्चा उत्सव तभी है, जब खुशियां दूसरों के संग बांटी जाएं। क्रिसमस अब सिर्फ ईसाइयों का पर्व नहीं रह गया। गैर-ईसाई समाज भी इसे एक मानवीय और सांस्कृतिक उत्सव के रूप में मनाता है, जो विविधता में एकता का संदेश देता है। युद्ध, संघर्ष और अस्थिरता के वर्तमान दौर में क्रिसमस का 'पीस ऑन अर्थ' वाला विचार, पहले से ज्यादा प्रासंगिक हो गया है। यह हमें याद दिलाता है कि शांति कोई अमूर्त सपना नहीं बल्कि रोजमर्रा के छोटे व्यवहारों से भी संभव है।

महत्वपूर्ण है अर्थपूर्ण उत्सव

यह सच है कि आधुनिक क्रिसमस में बाजार का प्रभाव बढ़ा है- सेल्स, ऑफर्स और ब्रांडिंग हर जगह दिखती है। लेकिन इसके समानांतर एक नई सोच भी उभर रही है, मिनिमल और अर्थपूर्ण क्रिसमस। आज कई लोग 'कम खरीदो, बेहतर जियो' के विचार के साथ क्रिसमस मना रहे हैं। हैंडमेड गिफ्ट्स, अनुभव आधारित उपहार (जैसे समय देना, साथ घूमना) और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार सजावट। ये बदलाव बताते हैं कि खुशी की अतिरिक्त परतें दिखावे से नहीं, सार्थकता से आती हैं।

क्रिसमस मनाने के ऐतिहासिक-धार्मिक संदर्भ

क्रिसमस ईसाई धर्म का सबसे बड़ा पर्व है, जिसे यीशु मसीह के जन्म की स्मृति में मनाया जाता है। ईसाई मान्यता के अनुसार यीशु का जन्म मानवता को पाप, हिंसा और अन्याय से मुक्ति दिलाने के लिए हुआ था। बाइबिल की कथा के अनुसार, यीशु का जन्म बेथलेहम में एक गौशाला में हुआ, जहां उनकी माता मरियम ने उन्हें जन्म दिया और यूसुफ उनके संरक्षक थे। यह कथा ईसाई धर्म में विनम्रता, त्याग और करुणा का मूल प्रतीक मानी जाती है। 25 दिसंबर को क्रिसमस मनाने की परंपरा यीशु के जन्मदिन से जुड़ी है। इतिहासकारों के अनुसार चौथी शताब्दी में रोमन साम्राज्य ने 25 दिसंबर को यीशु के जन्म दिवस के रूप में स्वीकार किया। इसका एक कारण यह भी था कि इसी समय रोम में 'सैटर्नेलिया' और 'सोल इन्विक्टस' जैसे सूर्य-उत्सव मनाए जाते थे। ईसाई धर्म के प्रसार के दौरान इन लोकप्रिय पर्वों को एक नए धार्मिक अर्थ के साथ जोड़ा गया, जिससे क्रिसमस व्यापक रूप से स्वीकार्य हो सका।

धार्मिक दृष्टि से क्रिसमस सिर्फ जन्मोत्सव नहीं बल्कि ईश्वर के प्रेम के अवतरण का प्रतीक है। ईसाई आस्था के अनुसार यीशु 'ईश्वर के पुत्र' हैं, जो मानव रूप में धरती पर आए ताकि प्रेम, क्षमा और दया का संदेश दे सकें। इसी कारण क्रिसमस के दौरान चर्चों में विशेष प्रार्थनाएं, मध्यरात्रि मिस्सा, कैरोल गायन और बाइबिल पाठ किए जाते हैं।

क्रिसमस सेलिब्रेशन से जुड़ी परंपराएं

क्रिसमस को पारंपरिक रूप से एक धार्मिक, पारिवारिक और सामुदायिक उत्सव के रूप में मनाया जाता है। इसकी तैयारियां एडवेंट काल से शुरू होती हैं, जो क्रिसमस से लगभग चार सप्ताह पहले आता है। इस दौरान लोग आत्मचिंतन, प्रार्थना और संयम पर ध्यान देते हैं। कई परिवार, घरों में एडवेंट कैंडल जलाते हैं, जो आशा और प्रकाश का प्रतीक मानी जाती है। घरों और चर्चों की सजावट, क्रिसमस की सबसे प्रमुख परंपरा है। क्रिसमस-ट्री सजाना भी इसका प्रमुख अंग है, जिसे रोशनी, सितारों, घंटियों और सजावटी गेंदों से सजाया जाता है। ट्री के ऊपर लगाया जाने वाला तारा बेथलेहम के उस तारे का प्रतीक है, जिसने तीन ज्ञानी पुरुषों को यीशु के जन्मस्थल तक पहुंचाया था। साथ ही कई स्थलों पर नैटिविटी सीन (यीशु के जन्म का दृश्य) लगाया जाता है। क्रिसमस ईव (24 दिसंबर की रात) को चर्चों में मिडनाइट मास होती है, जिसमें प्रार्थना, बाइबिल पाठ और सामूहिक कैरोल्स गाए जाते हैं। क्रिसमस के दिन परिवार और मित्र एक साथ मिलते हैं, विशेष भोज का आयोजन होता है और एक-दूसरे को उपहार दिए जाते हैं। बच्चों के लिए सांता क्लॉज की परिकल्पना खास आकर्षण होती है, जो उदारता और खुशी बांटने का प्रतीक है।

सकारात्मक प्रेरणाओं का उत्स

आज के संदर्भ में क्रिसमस हमें तीन सबसे सकारात्मक बातें सिखाता है।

उम्मीद: चाहे दुनिया कितनी भी अनिश्चित क्यों न हो, क्रिसमस उम्मीद का पर्व है। यह नए सिरे से शुरू करने की प्रेरणा देता है।

रिश्तों की प्राथमिकता: यह पर्व याद दिलाता है कि जीवन की असली पूंजी हमारे संबंध हैं, न कि भौतिक उपलब्धियां।

मानवीय गरिमा: क्रिसमस का मूल संदेश- प्रेम, क्षमा और करुणा, आज भी उतना ही प्रासंगिक है, जितना सदियों पहले था। कहने का सार यही है कि इक्कीसवीं सदी में क्रिसमस फेस्टिवल का रोमांच बाहरी चमक से ज्यादा आंतरिक अर्थ में बसता है। हमारी खुशियां शायद अधिक सजावटी नहीं हुईं, लेकिन अधिक सजग जरूर हुई हैं। *

अमेजिंग / शिखर चंद जैन

दुनिया के सबसे अनूठे क्रिसमस-ट्री

क्रिसमस के अवसर पर दुनिया भर में बेशुमार क्रिसमस ट्री सजाए जाते हैं। लेकिन कुछ क्रिसमस ट्री इतने अनूठे तरीके से सजाए जाते हैं कि उनकी भव्यता देखते ही बनती है। यहां हम आपको दुनिया के कुछ ऐसे ही अमेजिंग क्रिसमस ट्री के बारे में बता रहे हैं।

क्रिसमस का उत्सव क्रिसमस-ट्री के बिना अधूरा है। वैसे तो क्रिसमस-ट्री वास्तव में पाइन, डगलस, बालसम या फर का पेड़ होता है। ये पेड़ सदा हरे-भरे रहते हैं इसलिए इन्हें सजावट के लिए चुना जाता है। लेकिन दुनिया भर में अलग-अलग चीजों के उपयोग से एक से बढ़कर एक कृत्रिम क्रिसमस-ट्री भी खूब बनाए और सजाए जाते हैं। आइए जानते हैं कुछ अनूठे क्रिसमस-ट्री के बारे में।

टंबलवीड ट्री यूएसए: चांडलर, संयुक्त राज्य अमेरिका के एरिजोना राज्य में मैरिकोपा काउंटी में स्थित एक शहर और फीनिक्स का एक उपनगर है। यह तकनीक और नवाचार का एक प्रमुख केंद्र है। यहां टंबलवीड-ट्री नामक प्रसिद्ध क्रिसमस-ट्री है, जिसे हर साल एक खास परंपरा के तहत बनाया जाता है। 1957 से चली आ रही इस परंपरा में हजारों टंबलवीड्स और रोशनी का उपयोग होता है। इसकी शुरुआत तब हुई, जब आग लगने से शहर की क्रिसमस की सजावट नष्ट हो गई थी। तब लोगों ने इस अनूठे पेड़ का इस्तेमाल किया था। यह पारंपरिक क्रिसमस-ट्री की तरह नहीं है, बल्कि सूखी झाड़ियों (टंबलवीड्स) को इकट्ठा करके बनाया जाता है। इसे बनाने के लिए लगभग 1,000 से अधिक टंबलवीड्स और 1,200 रंगीन बल्बों का उपयोग किया जाता है।

बिग क्रिसमस-ट्री इटली: यह दुनिया के सबसे अनूठे और सबसे ज्यादा लाइटों वाले क्रिसमस-ट्रीज में शामिल है। इटली के गुब्बीओ में माउंट इजिनो पर बना यह विशाल-ट्री 1981 से मौजूद है। यह दुनिया के सबसे बड़े क्रिसमस-ट्री के रूप में जाना जाता है, जिसे 1991 में गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज किया गया था। यह माउंट इंगिनो की ढलान पर हजारों लाइटों और 7.5 किमी लंबे बिजली के तार से बना एक भव्य लाइट डेकोरेशन से बनता है, जो एक विशाल क्रिसमस-ट्री का आकार लेता है। इसकी ऊंचाई लगभग 750 मीटर और आधार पर चौड़ाई 450 मीटर होती है। इसे आमतौर पर 7 दिसंबर से 6 जनवरी तक सजाया जाता है। हर साल क्रिसमस के समय हजारों पर्यटक इसे देखने आते हैं।

स्काई ट्री जापान: क्रिसमस के अवसर पर जापान के टोक्यो में कई प्रसिद्ध क्रिसमस ट्री और लाइट-अप शोज डेकोरेट किए जाते हैं, जिनमें टोक्यो स्काई-ट्री का विशालकाय क्रिसमस-ट्री भी शामिल है। टोक्यो स्टेशन के मारुनोउची क्षेत्र के पास किट्टे बिल्डिंग के बाहर जापान का यह सबसे बड़ा क्रिसमस-ट्री सजाया जाता है। यह 14 मीटर ऊंचा है। इसे आकर्षक रोशनी से सजाया गया है। यहां लगभग 500,000 बल्ब्स का शो आयोजित होता है, जो 'क्विंकल थ्री स्टार्स' और अन्य लाइट-अप थीम के साथ प्रदर्शित किया जाता है। किट्टे बिल्डिंग टोक्यो में सबसे ऊंची इमारत है, जो इसका प्रतीक चिन्ह भी बन गया है। इनके निकट ही स्थित ग्योको-डोरी स्ट्रीट और नाका-डोरी स्ट्रीट को भी उत्सव की रोशनी से सजाया जाता है। इसके अतिरिक्त क्रिसमस के अवसर पर यहां के ओमोतेसांडो, रोपोंगी और ओडेबा जैसे कई क्षेत्रों में सुंदर लाइटिंग डिस्प्ले आयोजित किए जाते हैं।

ओरिगामी क्रिसमस-ट्री यूएसए: न्यूयॉर्क का वर्ल्ड फेमस ओरिगामी क्रिसमस-ट्री, किसी भी दूसरे क्रिसमस-ट्री से अलग है। यह अमेरिकन म्यूजियम ऑफ नेचुरल हिस्ट्री (एएमएनएच) में मौजूद है। यह लगभग 13 फीट लंबा पेड़, कागज से बने हुए जानवरों, जड़ी-बूटियों और अन्य आकृतियों से सजाया जाता है, जो ओरिगामी कलाकारों द्वारा बनाए जाते हैं। विभिन्न प्रकार के ओरिगामी रंगों में सजा यह पेड़ देखने में बहुत आकर्षक और बेहद रंगीन लगता है। *

रॉकफेलर सेंटर क्रिसमस-ट्री यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ अमेरिका

रॉकफेलर सेंटर क्रिसमस-ट्री, 3 दिसंबर की शाम से ही आम लोगों के देखने के लिए अपनी सजधज के साथ रेडी हो जाता है। यह 75 फुट ऊंचा नॉर्वे स्प्रूस पेड़ है, जो ईस्ट ग्रीनबुश, न्यूयॉर्क से लाया गया है। इसे मैनहट्टन के मध्य में 30 रॉकफेलर प्लाजा में सजाया जाता है। यह 10 जनवरी तक देखने के लिए उपलब्ध रहता है। 2004 से स्थापित यह क्रिसमस ट्री 30,000 एलईडी लाइटों से रोशन होता है, जो सौर पैनलों से चलती हैं। 2007 से इस पर 550 पाउंड का स्वारोवस्की क्रिस्टल स्टार लगा हुआ है।

कविता / हेमधर शर्मा

कृतज्ञता और कृतघ्नता

जो देता है हम उसे देवता कहते हैं
फिर क्यों हरदम लेने की
इच्छा रखते हैं?
जड़ जिन्हें समझते हैं हम
पौधे-पेड़ सभी तो देते हैं
फिर याचक बनकर ही
खुश क्यों हम रहते हैं?
हो सकता है हों बुद्धिमान हम
दुनिया में सबसे ज्यादा
खुदगर्ज बनाए लेकिन जो
क्या बुद्धि उसी को कहते हैं?
लेता है कोई काम अगर
प्रतिदान नहीं देता है तो
अन्यायी उसे समझते हैं
फिर जड़-चेतन सबसे लेकर
मन में कृतज्ञ भी हो न सके
ऐसा कृतघ्न मानव बनकर
कैसे हम सब जी लेते हैं?

व्यंग्य / सूर्यकुमार पांडेय

अपने यहां आजकल जो भी होता है, कैमरे के सामने ही होता है। इसकी एक चमक के आगे दुनिया की हर चमक-दमक फीकी है। कैमरा नहीं, तो शादी-ब्याह तक में भी किसी की कमर न लचके।

कैमरों की चमकती चंचल चाहतें

अपने यहां आजकल जो भी होता है, कैमरे के सामने ही होता है। इसकी एक चमक के आगे दुनिया की हर चमक-दमक फीकी है। कैमरा नहीं, तो शादी-ब्याह तक में भी किसी की कमर न लचके। वह तो यह कैमरा ही है, जिसके आते ही तमाम बाराती नागिन हो जाते हैं और उनकी रूमाल से अपने आप ही बीन की धुनें निकलने लग जाती हैं। सोचता हूं, कहीं कल जंगल में मोर भी यह कहकर नाचने से इनकार न कर दें कि इधर कैमरे तो हैं ही नहीं। जब कोई फिल्म ही नहीं बना रहा, तो फिर जंगल में ऐसे नाच का आखिर फायदा भी क्या?

धरना, प्रदर्शन, अनशन, घेराव, रैली, भाषण, चुनाव, सबको कैमरे चाहिए। वह भी ऐसे-वैसे नहीं, समाचार चैनलों वाले। एक नहीं, अनेक। हर कोण से कवरेज जरूरी है। जिस काम को दुनिया न देखे, वह काम भी किस काम का? जिन्हें इन कैमरों से ज्यादा लगाव होता है, ऐसे साहसी लोग गुप्त कैमरों से भी भय नहीं खाते। यह जानते हुए कि जमाना स्टिंग ऑपरेशन का है और कभी भी धरे जा सकते हैं, वे तब भी अपना असली काम कर ही डालते हैं।

'आप कैमरे की नजर में हैं।' मैं जहां कहीं पर भी यह बोर्ड लगा देखता हूं, मुझे हंसी आने लगती है। ऐसे बोर्ड चोर को पकड़ने के लिए लगाए गए होते हैं कि उन्हें सहयोग करने के लिए कि यहां हरकत की, तो तू पकड़ा जा सकता है। जा, बिना कैमरे वाली जगह तलाश। मैं सोचता हूं, यदि चोर भी सीसीटीवी कैमरों से भयग्रस्त होकर अपना चौर्य-कर्म त्याग चुके होते, तो हम आए दिन चोरी की वारदात की खबरें पढ़ने, सुनने और देखने को तरस जाते। क्या पता, कैमरा उन्हें नया उत्साह देता हो। अब तो कैमरों को प्रोफेशनल फोटोग्राफरों की दरकार भी नहीं रही। सभी के हाथों में मोबाइल कैमरे हैं और सेल्फियों की चमकती हुई चंचल चाहतें। इसके एकनेत्री स्वरूप पर आज पूरा विश्व मोहित है। तभी तो, युद्ध हो या शांति, लोग अपनी आंखों से अधिक इन कैमरों की दिखलाई हुई चीजों पर विश्वास करने लगे हैं। *

लघुकथा / चंद्रप्रकाश डाले

उपेक्षा के आंसू

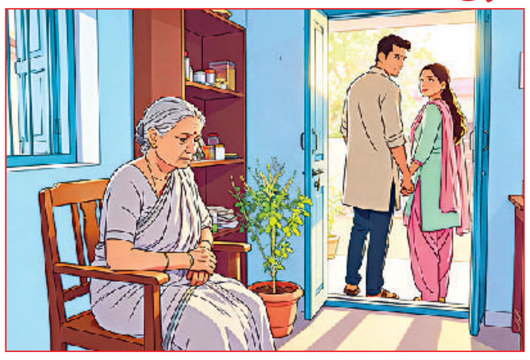

एआई इमेज

अस्पताल में चार दिनों से भर्ती सविता जी ने नर्स से पूछा, 'सिस्टर, मेरा बेटा आया था क्या?'

नर्स बोली, 'अरे माता जी, आप चार दिन से यही रट लगाए हैं कि बेटा आया है क्या, अरे आज तो आपकी छुट्टी होने वाली है।'

मां की आंखों में आंसू आ गए। रुंधे गले से बोलीं, 'मैं उसकी मां हूं ना। मैंने बड़ी तकलीफ, त्याग और तपस्या से उसको पाला है। इसलिए बार-बार उसके बारे में पूछती हूं। खैर, कोई बात नहीं।'

नर्स बोली, 'माता जी, बस आप तैयार हो जाइए, अस्पताल से छुट्टी मिल गई है, अब आपको घर जाना है, अपने बेटे के पास। आपके बिल वगैरह सब बन गए, उसका पेमेंट भी मिल चुका है।'

सविता ने फिर पूछा, 'मेरा बेटा लेने आया है क्या?'

'नहीं माता जी, ड्राइवर गाड़ी लेकर आया है।' नर्स ने बताया।

कुछ न कहकर, आंखों में आंसू छुपाते हुए सविता जी गाड़ी में बैठकर घर पहुंच गईं, लेकिन बेटे की उपेक्षा से खुद को थका हुआ और निराश महसूस कर रही थीं।

कुछ देर बाद ही बहू के मायके से फोन आया कि उसकी मां की तबियत खराब हो गई है। बहू ने तत्काल अपने पति को ऑफिस में फोन किया और बोली, 'आप तुरंत घर आ जाइए, मेरी मां की तबियत बहुत खराब है। और सुनो चार-पांच दिनों की छुट्टी भी ले लेना। मां को अस्पताल में भर्ती कराकर उनकी देखभाल के लिए वहां रुकना होगा।'

सासु मां की तबियत की खबर सुनकर सविता जी का बेटा तत्काल घर आ गया और जल्दी से तैयार होकर अपनी पत्नी के साथ ससुराल जाने लगा। दरवाजे से बाहर निकलते हुए जैसे उसे कुछ याद आया और वह पलटकर अपनी मां से बोला, 'मां, हम दोनों चार-पांच दिन के लिए जा रहे हैं। आप घर का ख्याल रखना।'

मां ने उन दोनों को जाते हुए देखा। मायूस होकर पास रखी कुर्सी पर बैठ गई। सोचने लगी, अस्पताल में भी वह अकेली थी, अब घर में भी अकेली है। साथ में थे तो सिर्फ आंसू। उपेक्षा से उपजे आंसू। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

अंतस को छूते गीत

वरिष्ठ साहित्यकार ओम निश्चल के गीतों का नया संग्रह 'तुम्हें मीर के एक मिसरे से छू लूं' हाल में छपकर आया है। आज के दौर में जब छंदमुक्त कविताओं की बाढ़ आई हुई है, ऐसे में अत्यंत कोमलता को खुद में समेटे हुए, रुई के फाहे-से ये गीत हमारी रूह को हौले से छू लेते हैं। इन गीतों में खास तौर पर प्रेम के अनेक रंग तो पैबस्त हैं ही, इनके साथ ही जीवन की विडंबनाएं, अलग-अलग ऋतुओं का सौंदर्य, खेती-किसानी, मिट्टी का सोंधापन, सांस्कृतिक नगरों की छटा, पारंपरिक पर्वों की आभा, ईश्वर के प्रति अहैतुक आस्था और कुछ अनकहे से रिश्तों की खुश्बू को भी शिद्दत से महसूस किया जा सकता है। गीतों के रचाव और शब्दों के चयन में ओम जी प्रयोगधर्मी रहे हैं, किसी भाषा को लेकर उनकी रचनात्मकता में कोई हठधर्मिता नहीं दिखती है। इसके साथ ही वे पढ़ने वाले के अंतस में भावनाओं का अप्रतिम प्रतिसंसार भी रचते चलते हैं। इसकी बानगी संग्रह के कई गीतों में देखी जा सकती है। अतीत में घटित प्रेम को बेहद मार्मिकता से वे शब्दों में पिरोते हुए कहते हैं, *'पलकें बोझिल और उनींदी रातें होती थीं/बरसों पहले तुमसे कितनी बातें होती थीं।'* तो कहीं जीवन की क्रूरता के समक्ष विवश मन कराह उठता है, *'प्रार्थना में फूल, मन में अर्घ्य देकर/लौट आए डबडबाई आंख लेकर।'* कहीं अपने आराध्य प्रभु की भक्ति में गीतकार का मन पुलकित होकर गा उठता है, *'दीप घर-घर जले हैं अवध में पिया/आज लौटे अयोध्या में रघुवर-सिया।'* तो कहीं प्राचीन नगर के सांस्कृतिक वैभव को देखकर वे अंतस के उल्लास को व्यक्त करने से रोक नहीं पाते, *'काशी के घाट निराले, रे भैया/काशी के घाट निराले।'* और प्रेम मिलन को व्यक्त करती ये पंक्तियां तो बेमिसाल हैं, *'पलकों को होठों की धड़कन से छू लूं/सुनाऊं गजल कोई गालिब की तुमको/तुम्हें मीर के एक मिसरे से छू लूं।'* *

पुस्तक: तुम्हें मीर के एक मिसरे से छू लूं (गीत-संग्रह), रचनाकार: ओम निश्चल, मूल्य: 300 रुपए, प्रकाशक: हिंदी अकादमी, दिल्ली

अवसर जब क्रिसमस का हो तो केक का जिक्र होता ही है। घर-घर में इसे बनाया और फ्रेंड्स-रिलेटिव्स के संग एंज्वॉय भी किया जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि केक बनाने की शुरुआत कब हुई? इसका आकार, स्वाद कैसे बदला? जानिए, केक से जुड़ी कुछ रोचक बातें।

टेस्टी केक से जुड़ी अनूठी-रोचक बातें

रोचक / शिखर चंद जैन

बच्चे ही नहीं, बड़ी उम्र के भी अधिकांश लोगों को केक खाना पसंद होता है। किसी का बर्थडे हो या मैरिज एनिवर्सरी या कोई और सेलिब्रेशन, खुशी और जश्न के खास मौकों पर केक कट कर खिलाने का चलन है। केक खाने में जितने यमी होते हैं, उतनी ही दिलचस्प इससे जुड़ी कुछ बातें भी हैं। इनके बारे में यहां बता रहे हैं।

कैसा था शुरुआती केक: शुरुआती दौर में बनने वाले केक आज की तरह सॉफ्ट, डिजाइनर और अट्रैक्टिव नहीं होते थे। ये अनाज के बने हुए सघन और चपटे (डेंस और फ्लैट) होते थे। इन्हें पीसे हुए अनाजों में खमीर (यीस्ट) उठाकर बनाया जाता था। फिर इन्हें सुखाकर जमाया जाता था। आज हम जिस तरह के केक का आनंद लेते हैं, उनसे मिलते-जुलते केक 18वीं-19वीं शताब्दी में बनने शुरू हुए।

ऐसे हुई क्रिसमस केक की शुरुआत: रोम में शुरुआती दौर में क्रिसमस के अवसर पर मीठी रोटियां बनाई जाती थीं। मध्यकाल तक आते-आते इन मीठी रोटियों का स्थान प्लम-पॉरिज (आलू बुखारा, ओट्स, फ्रूट्स, ड्राय फ्रूट्स आदि मिलाकर बनाया गया दलिया) ने ले लिया। 16वीं सदी तक आटे, अंडे, मक्खन से प्लम केक बनने शुरू हो गए। इसे 'ट्वेल्थ नाइट केक' कहा जाता था। धीरे-धीरे ये ट्वेल्थ नाइट केक, क्रिसमस के उत्सव का एक अभिन्न हिस्सा बन गए। आज क्रिसमस के अवसर पर हम जो 'फ्रूट केक' या 'आइस्ड केक' खाते हैं, वह इसी ट्वेल्थ नाइट केक का अपडेटेड वर्जन है।

केक पर सर्वाधिक कैंडल्स जलाने का रिकॉर्ड: क्या आप जानते हैं कि बर्थडे केक पर सबसे अधिक कैंडल्स जलाने का एक वर्ल्ड रिकॉर्ड भी है? जन्मदिन के केक पर सबसे ज्यादा मोमबत्तियां जलाने का विश्व रिकॉर्ड 2016 में आश्रिता फुरमान और न्यूयॉर्क स्थित श्री चिन्मय केंद्र ने बनाया था, जब केक पर 72,585 मोमबत्तियां जलाई गई थीं। यह केक ध्यान गुरु श्री चिन्मय के 85वें जन्मदिन के उपलक्ष्य में बनाया गया था। श्री चिन्मय केंद्र के 100 सदस्यों ने मिलकर यह अनोखा वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया था।

बर्थडे पर केक काटने की शुरुआत: जन्मदिन के अवसर पर दुनिया के अधिकांश देशों में केक काटा जाता है, खाया-खिलाया जाता है। माना जाता है कि 16वीं-17वीं सदी में जर्मनी में पहली बार छोटे बच्चों का जन्मदिन मनाने के लिए केक बनाना शुरू किया गया। इस केक को 'किंडरफेस्ट' कहा जाता था। ये केक दिखने में आज के केक से काफी मिलते-जुलते होते थे। फिर धीरे-धीरे केक बर्थडे सेलिब्रेशन का महत्वपूर्ण हिस्सा बनता गया।

पॉपुलर केक फ्लेवर्स: जन्मदिन के केक की बात करें तो ज्यादातर लोगों के लिए चॉकलेट सबसे पसंदीदा फ्लेवर होता है, उसके बाद नंबर आता है वनीला फ्लेवर का। जर्मन चॉकलेट केक दुनिया के सबसे मशहूर केक्स में से एक है। इंटरेस्टिंग बात यह है कि 'जर्मन चॉकलेट केक' की उत्पत्ति जर्मनी में नहीं हुई थी। दरअसल, इसका संबंध सैमुअल जर्मन नामक एक अमेरिकी व्यक्ति से था, जिन्होंने 1852 में एक डार्क बेकिंग चॉकलेट बनाई थी। इसे 'जर्मन्स स्वीट चॉकलेट' के नाम से जाना जाता था। 1957 में इस रेसिपी का इस्तेमाल केक बनाने में किया गया और 'जर्मन्स चॉकलेट केक' शीर्षक से प्रकाशित किया गया था। तब से इसे इसी नाम से जाना जाता है।

केक से रिलेटेड कुछ इंटरेस्टिंग फैक्ट्स

- दुनिया का सबसे महंगा केक 'पाइरेट्स फैंटेसी' था जिसकी कीमत लगभग 35 मिलियन डॉलर थी।

- शिकागो के पैट्रिक बर्टोलेटी 'डीप डिश' ने 2012 में छह मिनट में 72 कप केक खाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया।
- कप केक की रेसिपी गूगल पर सबसे ज्यादा सर्च की जाने वाली रेसिपीज में से एक है।
- दुनिया का सबसे ऊंचा केक बनाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता के कुछ स्कूली बच्चों के नाम है। 33 मीटर (108.27 फीट) ऊंचे इस केक को हाकासिमा-निलासरी कलिनरी स्कूल के बच्चों ने क्रिसमस के अवसर पर बनाया था।
- पुराने जमाने में इंग्लैंड में मान्यता थी कि तकिए के नीचे 'फ्रूट केक' रखकर सोने से सुंदर पति मिलता है। इसे 'ड्रीमिंग केक' भी कहा जाता था।

पहला मैरिज फंक्शन केक

आजकल शादियों में भी केक काटने का ट्रेंड बढ़ने लगा है। यह परंपरा कब से शुरू हुई, यह तो पुख्ता तौर पर नहीं कहा जा सकता, मगर पहले विवाह केक का उल्लेख 1858 में मिलता है। यह ब्रिटेन की महारानी विक्टोरिया की सबसे बड़ी बेटी (उसका नाम भी विक्टोरिया था) के मैरिज फंक्शन के लिए बनाया गया था। प्रिंसेस विक्टोरिया का विवाह केक तीन गज चौड़ा और 300 पाउंड वजन का था, लेकिन वह सिर्फ एक मंजिला था। उनकी शादी के केक पर सफेद आइसिंग का पहली बार इस्तेमाल किया गया था। तभी से इस तरह की आइसिंग को 'रॉयल आइसिंग' के नाम से जाना जाता है।

हम जो चाहते हैं, हमेशा वैसा ही हो, यह हमारे हाथ में नहीं है। लेकिन खुश रहना हमारे हाथ में है। कुछ छोटी-छोटी बातों और आदतों को अगर हम अपने जीवन का हिस्सा बना लें तो यकीन मानिए, हम हमेशा खुश रह सकते हैं। ऐसी ही कुछ काम की बातों के बारे में जानिए।

अपना लें ये आदतें हमेशा रहेंगे खुश

लाइफस्टाइल
अंजू जैन

किसी ने कितनी सही बात कही है, 'अपने दुःखों को भगाने का एक ही रास्ता है, खुश रहना।' सब खुश रहना चाहते हैं लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि खुशियों को अपने दामन में समेट कर कैसे रखा जाए? डॉ. ए. शिंडलर के अनुसार, 'दुःख ही सभी मनोदैहिक रोगों का एकमात्र कारण है और खुशी ही एकमात्र उपचार है।' डिजीज शब्द का अर्थ ही दुःख की अवस्था है। डिज-ईज यानी आराम से न रहना। दरअसल, खुशी एक मानसिक स्थिति है, जो काफी हद तक हमारी आदतो पर निर्भर करती है।

क्या है हैप्पी-ओलॉजी: विशेषज्ञों का मानना है कि खुशी हासिल करने का एक वैज्ञानिक नजरिया भी होता है और हर कोई अपने दैनिक जीवन में खुश होने के लिए छोटे-छोटे कारण ढूंढ सकता है। इसे ही 'हैप्पी-ओलॉजी' कहते हैं। इसके मुताबिक किसी वस्तु, व्यक्ति या स्थिति से खुश या संतुष्ट होना आपके ऊपर निर्भर करता है। आप चाहें तो किसी बात से चिढ़कर गुस्सा या उदास हो सकते हैं और आप चाहें तो इन नकारात्मक भावनाओं से ऊपर उठकर खुद को खुश रख सकते हैं, यानी खुश रहना हमारे हाथ में है। सुविख्यात लेखक एवं विद्वान डेल कार्नेगी ने भी कहा है, 'प्रसन्नता बाहरी परिस्थितियों पर निर्भर नहीं करती, वह हमारे मानसिक दृष्टिकोण से संचालित होती है।' विलियम जेम्स ने कहा है, 'हम इसलिए नहीं हंसते कि हम खुश हैं, बल्कि हम इसलिए खुश हैं कि हम हंसते हैं।'

खोज लीजिए अपना हैप्पियोलॉजिस्ट: व्यवहार विशेषज्ञ कहते हैं, आप खुद अपना हैप्पियोलॉजिस्ट खोज सकते हैं। अपने इर्द-गिर्द ऐसे एक ऐसे इंसान को ढूंढ निकालें, जो आपके हिसाब से सदा खुश रहता है और उसे अपना आदर्श यानी हैप्पियोलॉजिस्ट बना लें। आप देखेंगे कि ये लोग जरा-जरा सी बातों में ही बच्चों की तरह खुश हो जाते हैं और खिलखिलाकर हंसने लगते हैं। ये खुशी हमारे सोचने के तरीके पर निर्भर करती है। कोई चाहे तो 10 रुपए की ऑरेंज आइसक्रीम खाकर खुश और संतुष्ट हो सकता है, वहीं आदतन दुःखी रहने वाला इंसान 100-150 की ब्रांडेड आइसक्रीम खाकर भी दुःखी ही नजर आएगा और उसके स्वाद में कोई न कोई नुक्स ढूंढ निकालेगा।

छोटी-छोटी चीजों में खोज लें खुशी: वैज्ञानिकों ने अपनी स्टडीज में पाया है कि खुश होने के लिए आप बड़ी चीजों का इंतजार न करें, छोटी-छोटी बातों में खुशी ढूंढ़ें। मिरियम लीगलर ने अपनी पुस्तक 'फाइंडिंग योर इनर हैप्पियोलॉजी' में लिखा है, 'हमारी रोजमर्रा की जिंदगी में बहुत-सी सामान्य चीजें ऐसी हैं, जिनसे हम खुशी महसूस कर सकते हैं। बस इन चीजों के प्रति हमारा नजरिया ऐसा होना चाहिए।'

ठान लें कि खुश रहना है: वाल्टेयर ने कहा है, 'मैंने खुश रहना चुना, क्योंकि यह मेरे स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है।' इस संबंध में अब्राहम लिंकन की बात भी बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा था, 'अधिकांश लोग लगभग उतने ही खुश होते हैं, जितना खुश रहने का वे मन बनाते हैं।'

हैप्पियोलॉजिस्ट सुजाना हैलोनेस किसी समय एक दुःखी और निराश इंसान थीं। उन्हें अपनी जिंदगी और जॉब से बेशुमार शिकायतें थी। एक दिन अचानक उन्होंने खुद को बदल डाला। अब वे हैप्पीनेस के प्रोजेक्ट पर काम करती हैं और बेहद खुश रहती हैं।

खुशी से मिलेगी सफलता: सुजाना हैलोनेस अपनी वेबसाइट पर लिखती हैं, 'मैंने सीख लिया कि सफलता से खुशी नहीं मिलती बल्कि खुशी से सफलता मिलती है।' खुश रहने से हमारा आत्मविश्वास बढ़ता है, साथ ही हमारी क्रिएटिविटी और प्रोडक्टिविटी भी बढ़ती है। लोगों के साथ रिश्ते भी इंप्रूव होते हैं। जाहिर है, खुशी सफलता का माध्यम बन जाती है। सुजाना कहती हैं, 'खुशी एक अभ्यास है, मंजिल नहीं।'

मुस्कुराइए-हंसिए हर रोज: ब्रिटेन के हिप्नोटिस्ट और व्यवहार विज्ञानी पॉल मैकेना ने अपनी किताब 'आइ कैन मेक यू हैप्पी' में लिखा है कि रोज 20 बार हंसें और 20 बार मुस्कुराएं। भले ही आपको ऐसा जबरन करना पड़े। मुस्कुराने और हंसने से आपके शरीर में सेरोटोनिन रिलीज होता है, जो एक फील गुड हॉर्मोन है। कुछ दिनों बाद आप खुश रहने के अभ्यस्त हो जाएंगे।

जानकारी / अलका 'सोनी'

इसलिए कहते हैं मैरी क्रिसमस!

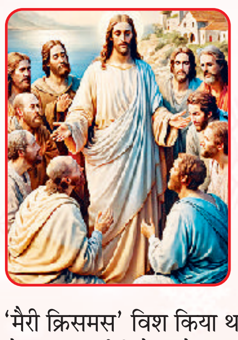

क्रिसमस का त्योहार लगभग पूरी दुनिया में मनाया जाता है। सभी देश अपने-अपने तरीके से इसे मनाते हैं। इसे मनाने का तरीका चाहे जो भी हो, एक बात जो हर जगह कॉमन होती है वह है क्रिसमस की शुभकामनाएं एक-दूसरे को देते हुए 'मैरी क्रिसमस' बोलना। अन्य मौकों पर, चाहे वो न्यू ईयर हो या फिर होली, दीवाली जैसे त्योहार। लोग एक-दूसरे को 'हैप्पी' बोलकर शुभकामनाएं देते हैं, जैसे- 'हैप्पी न्यू ईयर', 'हैप्पी दिवाली' आदि। लेकिन क्रिसमस के लिए बोलते हैं- मैरी क्रिसमस।

कैसे हुई 'मैरी क्रिसमस' बोलने की शुरुआत: क्रिसमस विश करने के लिए 'मैरी क्रिसमस' बोलने की शुरुआत को लेकर कई संदर्भ मिलते हैं। सन 1534 में लंदन के बिशप जॉन फिशर ने क्रिसमस के मौके पर हेनरी अष्टम के प्रमुख मंत्री थॉमस क्रोमवेल को पत्र लिखकर 'मैरी क्रिसमस' विश किया था। इसके अलावा मैरी क्रिसमस बोलने का उल्लेख 1843 में लिखे गए, चार्ल्स डिकेंस के उपन्यास 'ए क्रिसमस कैरोल' में भी किया गया है।

मदर मैरी के सम्मान में: ईसा मसीह की मां 'मरियम' ईसाई धर्म में बहुत सम्मानित मानी जाती हैं। उन्हें सभी ईसाइयों की माता और मानव जाति में सर्वोच्च इंसान माना जाता है। मरियम को 'मैरी' नाम से भी जाना जाता है। इसलिए एक मान्यता यह भी है कि मदर मैरी के प्रति सम्मान प्रकट करते हुए 'हैप्पी क्रिसमस' के स्थान पर 'मैरी क्रिसमस' बोलकर क्रिसमस विश किया जाता है।

मतलब है समान: 'मैरी' शब्द का अर्थ हर्षित, आनंदित या उल्लासपूर्ण होता है। यह शब्द अकसर उत्सव और खुशी के अवसरों के साथ जुड़ा होता है। 'हैप्पी' का अर्थ होता है 'खुश' या 'संतुष्ट'। कुछ भाषाविदों का मानना है कि 'हैप्पी' व्यक्तिगत खुशी पर जोर देता है, जबकि 'मैरी' सामूहिक और सांस्कृतिक उत्सव की खुशियों को व्यक्त करता है। क्रिसमस विश करने के लिए 'मैरी' शब्द इसलिए उपयुक्त माना जाता है क्योंकि यह उत्सव और उल्लास के सामूहिक अभिव्यक्ति को बेहतर ढंग से प्रकट करता है। बहरहाल, मैरी या हैप्पी दोनों ही शब्दों का प्रयोग खुशी जाहिर करने के लिए हो किया जाता है। इसलिए आप इनमें से कुछ भी बोलकर विश कर सकते हैं।

भारत में प्राचीन काल से ही एक से बढ़कर एक गणित के प्रकांड ज्ञानी हुए हैं। राष्ट्रीय गणित दिवस (22 दिसंबर) के अवसर पर हम आपको कुछ महान भारतीय गणितज्ञों के बारे में बता रहे हैं।

गणित को समृद्ध करने वाले भारत के महान गणितज्ञ

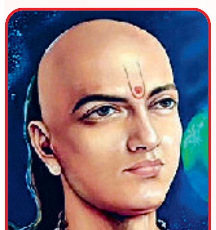
आर्यभट्ट

श्रीनिवास रामानुजन

सी. आर. राव

विभूतियां
नेहा जैन

यह हम भारतीयों के लिए गर्व का विषय है कि भारत के विद्वानों ने दुनिया को गणित के महत्वपूर्ण, मूलभूत सिद्धांतों और नियमों की जानकारी दी। 400 ई. से 1500 ई. के बीच के काल को भारतीय गणित का स्वर्ण युग कहा जाता है। इस काल में भारतीय गणितज्ञों ने कई नए गणितीय सिद्धांत दिए। भारतीय गणितज्ञों को कालखंड के हिसाब से मुख्यतया दो भागों में बांटा जा सकता है-पूर्ववर्ती काल के गणितज्ञ और आधुनिक भारत के गणितज्ञ। पूर्ववर्ती काल के गणितज्ञों में शामिल कुछ प्रमुख हस्तियां हैं-

आर्यभट्ट (476-550 ईस्वी): इन्हें भारतीय गणित का पिता माना जाता है। आर्यभट्ट ने अपने ग्रंथ 'आर्यभटीय' के माध्यम से गणितीय सोच में क्रांति ला दी। उन्होंने ही स्थानीय मान प्रणाली, शून्य की अवधारणा और त्रिकोणमितीय कार्यों के प्रारंभिक रूपों को प्रस्तुत किया। आर्यभट्ट ने ही 'पाई' के मूल्य की सटीक गणना की, बीजीय समीकरणों के समाधान प्रस्तावित किए और पृथ्वी के अपने अक्ष पर घूमने की व्याख्या की। यह अवधारणा अपने समय से बहुत आगे थी।

ब्रह्मगुप्त (598-668 ईस्वी): शून्य को एक संख्या के रूप में मानने और उसके लिए नियम स्थापित करने वाले ब्रह्मगुप्त पहले व्यक्ति थे। इसके अलावा, उन्हें द्विघात समीकरण का पहला स्पष्ट विवरण देने और गुरुत्वाकर्षण को एक आकर्षक बल के रूप में वर्णित करने के लिए जाना जाता है। 'ब्रह्मस्फुट सिद्धांत' और 'खंडखाद्यक' उनकी दो सबसे प्रसिद्ध कृतियां हैं।

भास्कर प्रथम (600-680 ईस्वी): इन्होंने संख्याओं को लिखने के लिए हिंदू और अरबी दशमलव पद्धति का प्रयोग सबसे पहले किया था। 'आर्यभटीय' पर उनका विश्लेषणात्मक कार्य, 'आर्यभटीय भाष्य', खगोल विज्ञान और गणित पर सबसे प्राचीन संस्कृत ग्रंथ माना जाता है। उन्हें स्थानीय मान के अनुसार संख्याओं के निरूपण के लिए विशेष रूप से जाना जाता है।

शकुंतला देवी

भास्कर द्वितीय (1114-1185 ईस्वी): इन्होंने नक्षत्र वर्ष की लंबाई और चंद्रमा के समीकरण जैसी कई खगोलीय राशियों को परिभाषित किया था। अवकल कलन (डिफरेंशियल कैलकुलस) के सिद्धांतों की खोज, दशमलव प्रणाली का व्यवस्थित उपयोग भी इनकी देन है। इन्होंने ज्यामिति और बीजगणित से संबंधित महत्वपूर्ण ग्रंथों- 'लीलावती' और 'बीजगणिताध्याय' की रचना की।

संगमग्राम के माधव (1340-1425 ईस्वी): यूरोपीय 'कैलकुलस' से सदियों पहले इन्होंने त्रिकोणमितीय श्रृंखला विस्तार और घात श्रृंखला की खोज की और सूर्यकेंद्रित मॉडल (हीलियोसेंट्रिक मॉडल) जैसे महत्वपूर्ण ग्रहों की गति के मॉडल विकसित किए, जिससे खगोलीय गणनाओं में क्रांति आ गई। इस प्रतिभाशाली गणितज्ञ को साइन और कोसाइन जैसे त्रिकोणमितीय फलनों के लिए अनंत श्रेणी विस्तारों में उनके अग्रणी कार्य के लिए जाना जाता है।

आधुनिक भारत के प्रमुख गणितज्ञों में शामिल हैं-

श्रीनिवास रामानुजन (1887-1920): रामानुजन की स्मृति में ही गणित दिवस मनाया जाता है। इन्होंने संख्या सिद्धांत, गणितीय विश्लेषण आदि में उल्लेखनीय योगदान दिया। विभाजन फलन, सतत भिन्न और अनंत श्रेणी जैसे क्षेत्रों में उनकी उत्कृष्ट खोजों ने 20वीं सदी में गणित के विकास को बहुत प्रभावित किया। उन्हें अपने समय में आधुनिक विश्व का सर्वश्रेष्ठ गणितज्ञ माना जाता था।

पी.सी. महालनोबिस (1893-1972 ईस्वी): महालनोबिस दूरी और फ्रैक्टाइल ग्राफिकल विश्लेषण इनके कुछ प्रमुख योगदान हैं।

सी. आर. राव (1920-2023): भारतीय-अमेरिकी गणितज्ञ और सांख्यिकीविद् सी. आर. राव का सांख्यिकी, अर्थशास्त्र, आनुवंशिकी और चिकित्सा जैसे विविध क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान रहा।

शकुंतला देवी (1929-2013): शकुंतला देवी को मानव-कंप्यूटर के नाम से जाना जाता था। वे कैलकुलेटर की सहायता के बिना अपनी त्वरित मानसिक गणनाओं के लिए विशेष रूप से प्रसिद्ध थीं। त्वरित मानसिक गणना के लिए उनका नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी शामिल है।

सिने ट्रेंड
अशोक वाधवाणी

कई हिंदी फिल्मों में क्रिश्चियन परिवेश, पात्रों और गीतों को बड़ी ही खूबसूरती से पेश किया जाता रहा है। कुछ फिल्में क्रिसमस सेलिब्रेशन से भी जुड़ी रही हैं। ऐसी ही कुछ फिल्मों पर एक नजर।

फिल्मों में क्रिश्चियन कैरेक्टर्स क्रिसमस सेलिब्रेशन

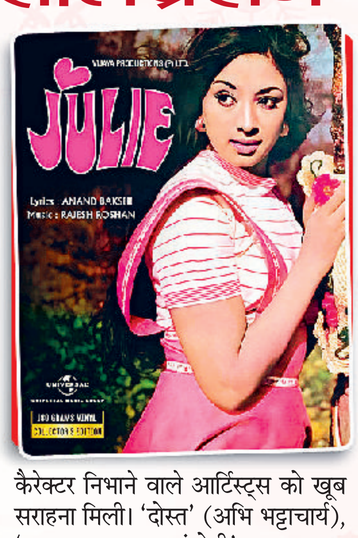

क्रिसमस, ईसाई धर्मावलंबियों का प्रमुख त्योहार है, जो भारत सहित विश्व भर में 25 दिसंबर को मनाया जाता है। इसे 'बड़ा दिन' भी कहते हैं। बीते दौर से लेकर हाल के वर्षों तक हिंदी में ऐसी कई सारी फिल्में बनती रही हैं, जिनमें क्रिसमस सेलिब्रेशन का जिक्र आया, उससे जुड़े गीत फिल्माए गए, मुख्य पात्र या फिर पूरी कहानी ईसाई समुदाय के इर्द-गिर्द घूमती रहती है। कई फिल्मों में तो ऐसे ईसाई पात्र दिखाए गए जो सिनेप्रेमियों के जेहन में आज भी दर्ज हैं।

ईसाई पात्र-परिवेश की कहानी: शोमैन राज कपूर ने ईसाई लड़की 'बॉबी' की कहानी पर फिल्म बनाई, जो हिट रही। 1973 में आई फिल्म 'बॉबी' में डिंपल कपाड़िया और ऋषि कपूर मुख्य भूमिकाओं में थे। हिंदू लड़के और क्रिश्चियन लड़की की इस जोड़ी को दर्शकों ने खूब पसंद किया। आगे चलकर, साल 1985 में इन्हीं डिंपल कपाड़िया और ऋषि कपूर को लेकर रमेश सिप्पी ने फिल्म 'सागर' बनाई। यह डिंपल कपाड़िया की कम-बैक फिल्म थी, जिसमें उन्होंने एक क्रिश्चियन लड़की मोना डी सिल्वा की भूमिका अदा की थी।

साल 1975 में आई फिल्म 'जूली' में एक्ट्रेस लक्ष्मी ने क्रिश्चयन लड़की जूली का लीड रोल प्ले किया था। साथ ही फिल्म के अन्य प्रमुख पात्र भी ईसाई धर्म से संबंध रखने वाले ही थे। इसी नाम से साल 2004 में एक बोल्ड फिल्म बनाई गई, जिसमें नेहा धूपिया ने गोवा में रहने वाली लड़की 'जूली' का रोल किया था। संजीव कुमार की फिल्म 'देवता' (1978) और 'चेहरे पे चेहरा' (1981) की कहानी ईसाई समाज और ईसाई पात्रों के ईर्द-गिर्द घूमती है।

नाना पाटेकर, मनीषा कोईराला और सलमान खान की फिल्म 'खामोशी : द म्यूजिकल' (1996) भी एक क्रिश्चियन परिवार के इर्द-गिर्द बुनी गई प्रेम कहानी है। इसके अलावा शबाना आजमी, मार्क रॉबिंसन, इरफान खान अभिनीत 'बड़ा दिन' (1998), और 'मैरी क्रिसमस' (2024) फिल्मों का नाम क्रिसमस फेस्टिवल पर रखा गया है। इन फिल्मों में इस धर्म-संस्कृति से जुड़े रीति-रिवाज, रहन-सहन, खान-पान, वेशभूषा आदि को भी बखूबी दर्शाया गया है।

यादगार पादरी के किरदार: ईसाई धर्मगुरु यानी पादरी को विशेष आदर, मान-सम्मान दिया जाता है। कई हिंदी फिल्मों में पादरी का कैरेक्टर निभाने वाले आर्टिस्ट्स को खूब सराहना मिली। 'दोस्त' (अभि भट्टाचार्य), 'अमर अकबर एंथोनी' (नाजिर हुसैन), 'तहलका' (जीतेंद्र), 'हत्या' (सत्येन कप्पू), 'खोज' (डैनी), 'देवता' (श्रीराम लागू) आदि कई फिल्में बनी हैं, जिनमें पादरियों के महत्वपूर्ण और यादगार रोल रहे।

कुछ पॉपुलर क्रिश्चियन कैरेक्टर: कई ऐसी फिल्में भी बनी हैं, जिनमें ईसाई कैरेक्टर या सहायक पात्र लोगों को खूब पसंद आए। 'अनाड़ी' में ललिता पवार का अपनी फिल्मी इमेज के विपरीत सहृदय ईसाई महिला मिसेज एल डीसा का अविस्मरणीय रोल था। ऐसे ही फिल्म 'गैंबलर' में जाहिरा, 'मेरा नाम जोकर' में सिमी ग्रेवाल, 'वो मैं नहीं' में आशा सचदेव, 'मजबूर' में प्राण, 'अल्बर्ट पिंटो को गुस्सा क्यों आता है' में नसीरुद्दीन शाह, 'जाने भी दो यारों' में सतीश शाह और 'अमर अकबर एंथोनी' में अमिताभ बच्चन द्वारा निभाया गया एंथोनी का कैरेक्टर लोग आज भी नहीं भूल पाए हैं।

गोवा में फिल्माई गई फिल्में: जब भी भारत में ईसाई परिवेश की बात होती है, गोवा का नाम सबसे पहले याद आता है। बॉलीवुड में ऐसी कई फिल्में बनीं, जिनकी अधिकतर शूटिंग गोवा में हुई। 'जोहर महमूद इन गोवा' (1965) में आई एस. जोहर और महमूद मुख्य भूमिका में थे। अमिताभ बच्चन की 'सात हिंदुस्तानी' (1969) और 'पुकार' (1983) इन तीनों फिल्मों की कहानी गोवा मुक्ति संग्राम पर आधारित थी। शाहरुख खान, सुचित्रा कृष्णमूर्ती अभिनीत 'कभी हां कभी ना' (1994) और शाहरुख खान, चंद्रचूड़ सिंह, ऐश्वर्या राय की फिल्म 'जोश' (2000) के मुख्य पात्र ईसाई ही थे। दोनों फिल्में गोवा में शूट की गईं। ऐसे ही दीपिका पादुकोण की फिल्म 'फाइंडिंग फैनी' (2014) गोवा में शूट हुई थी। इस फिल्म के सभी मुख्य पात्र ईसाई हैं। 'गो-गोवा-गॉन' (2013) गोवा में शूट की गई अलग टाइप की कॉमेडी, थ्रिलर है, जिसमें सैफ अली खान, कुणाल खेमू, पूजा गुप्ता आदि मुख्य भूमिकाओं में हैं। इस फिल्म के मुख्य पात्र भी क्रिश्चियन ही हैं। गोवा में शूट की गई अधिकतर फिल्मों में वहां के चर्च, बीच, ईसाई समुदाय के लोगों की जीवनशैली और संस्कृति को खूबसूरती से फिल्माया जाता रहा है।

'अमर अकबर एंथोनी' में एंथोनी गोंसाल्वेस के रोल में अमिताभ

कई गीत भी हुए पॉपुलर

बॉलीवुड फिल्मों में ऐसे कई गाने भी बने हैं, जो पूरी तरह क्रिसमस से जुड़े हैं। इनमें से कुछ पॉपुलर भी हुए हैं। 'बचपन' फिल्म का गीत 'मदर मैरी, मां हम तेरे दुलारे हैं' प्रेयर है। 'शानदार' में संजीव कुमार सांता क्लॉज की वेशभूषा में गाते हैं, 'आता है, आता है, सांता क्लॉज आता है', 'जख्मी' में 'जिंगल बेल, जिंगल बेल, जिंगल ऑल द वे।' कई गीत ऐसे भी रचे हैं, जिनको सुनते ही समझ आ जाता है कि ये गीत या इसके पात्र ईसाई धर्म से जुड़े हुए हैं। फिल्म 'जमीर' में शम्मी कपूर पर फिल्माया गया गीत 'बड़े दिनों में खुशी का दिन आया...'। 'जूली' में प्रीती सागर की आवाज में अंग्रेजी गाना है, 'माइ हार्ट इज बीटिंग', 'जीते हैं शान से' में 'जूली-जूली जॉनी का दिल तुम पर आया जूली।' गाने में मिथुन चक्रवर्ती अपना प्रेम प्रकट करते हैं। 'सागर' में 'ओ मारिया, ओ मारिया' गाने में कमल हासन, डिंपल कपाड़िया की मस्ती देखने लायक है। 'देवता' का हटकर लिखा गाना है, 'चल बैठें चर्च के पीछे'। ये सभी गाने आज भी लोकप्रिय हैं।